मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से प्रकाशित: भोपाल • ग्वालियर • कटनी • बिलासपुर • जबलपुर • छिंदवाड़ा • बालाघाट

www.emsindia.com

निष्पक्ष एवं विश्वसनीय खबरों का लोकप्रिय समाचार पत्र

एक्सप्रेस न्यूज़

भोपाल
शुक्रवार 18 अप्रैल 2025

■ वर्षः 30 ■ अंकः 111
■ पेजः 8 ■ मूल्यः 1.50/- रुपए

सोना पहली बार 95 हजार के पार

नई दिल्ली, ईएमएस। सोने के दाम ने गुरूवार को नया ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 628 बढ़कर 95,207 पर पहुंच गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 94,579 थी।वहीं चांदी की कीमत में गिरावट रही। एक किलो चांदी की कीमत 936 गिरकर 95,639 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 96,575 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

चुपके-चुपके

आयकर विभाग परेशान... बेनामी 9 प्लॉट किसके?

राजधानी के एक बड़े बिल्डर के यहां गत महीनों में आयकर विभाग ने छापेमारी की तो कई रसूखदारों की काली कमाई उजागर हुई। जिससे प्रदेश में हड़कंप भी मचा था। खबरची का कहना है कि इस दौरान आयकर विभाग को 9 बेनामी संपत्ति भी मिली थी। उक्त संपत्ति किसकी है, इसको लेकर आयकर विभाग अभी भी परेशान है। बिल्डर भी उक्त 9 प्लॉट के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पा रहा है। वहीं सूत्रों का कहना है कि बिल्डर ही नहीं बल्कि अधिकारी भी जानते हैं कि उक्त बेनामी संपत्ति का संबंध किससे है। दावा तो यहां तक किया जा रहा है कि उक्त संपत्ति पूर्व प्रशासनिक मुखिया के इशारे पर खरीदी गई थी। उनका खुद का आशियाना भी वहीं पर है।

-खबरची

फटाफट खबरें

बॉम्बे हाईकोर्ट का फडणवीस को समन

मुंबई, ईएमएस। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण पश्चिम विधानसभा सीट से 2024 की जीत को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका पर समन (नोटिस) जारी किया। चुनाव याचिका कांग्रेस के प्रफुल्ल विनोदराव गुडाधे ने दायर की थी, जो फडणवीस से 39,710 वोटों के अंतर से हार गए थे।गुडाधे ने याचिका में प्रक्रियागत खामियों और भ्रष्ट आचरण का आरोप लगाया था और मांग की थी कि हाईकोर्ट फडणवीस की जीत को अमान्य घोषित करे।

ब्रिटेन में ट्रांसजेंडर को महिला नहीं मानेंगे

लंदन, ईएमएस। ब्रिटेन में अब ट्रांसजेंडर को महिला नहीं माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने महिला होने की कानूनी परिभाषा पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि जो जन्म से महिला यानी बायोलॉजिकल फीमेल है, उसे ही महिला माना जाएगा। कोर्ट के इस फैसले से ट्रांसजेंडर अधिकारों पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। कोर्ट ने समानता अधिनियम 2010 की व्याख्या करते हुए बताया कि महिला और लिंग शब्द बायोलॉजिकल फीमेल और बायोलॉजिकल जेंडर को बताते हैं। पांच जजों की बैंच ने सर्वसम्मति से यह फैसला दिया।

वाराणसी गैंगरेप की एसआईटी करेगी जांच

वाराणसी, ईएमएस। वाराणसी में छात्रा का 6 दिन तक 23 लोगों ने गैंगरेप किया। पीएम मोदी की नाराजगी के बाद इस मामले की जांच एसआईटी करेगी। 30 दिन में एसआईटी अपनी चार्जशीट दाखिल कर देगी। गैंगरेप की जांच एक बड़े सेक्स रैकेट तक पहुंच गई थी। पुलिस ने इसको चलाने वाले अनुपम समेत 14 लोगों की अरेस्टिंग की है, अरेस्ट हुए 12 लड़कों के मोबाइल में 546 लड़कियों के न्यूड वीडियो मिले थे। जिन नंबरों पर इन वीडियो को शेयर किया गया है, उनकी लोकेशन यूपी के साथ 6 राज्यों में मिली है।

आज का कार्टून

उपराष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर जताई नाराजगी, कहा-अनुच्छेद 142 न्यूक्लियर मिसाइल बन गया

अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं

नई दिल्ली, ईएमएस। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समयसीमा तय की थी। इस पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम ऐसे हालात नहीं बना सकते जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें। संविधान का अनुच्छेद 142 के तहत मिले कोर्ट को विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24×7 उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। दरअसल, अनुच्छेद 142 भारत के सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार देता है कि वह पूर्ण न्याय (कम्पलीट जस्टिस) करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फैसला दे सकता है, चाहे वह किसी भी मामले में हो। जज सुपर पार्लियामेंट की तरह काम कर रहे।

लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार सबसे अहम होती है और सभी संस्थाओं को अपनी-अपनी सीमाओं में रहकर काम करना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है। धनखड़ ने हालात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि अपने जीवन में मैंने ऐसे दिन की कल्पना नहीं की थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति देश का सबसे सर्वोच्च पद है। राष्ट्रपति संविधान की सुरक्षा की शपथ लेते हैं। जबकि सांसद, मंत्री, उपराष्ट्रपति और जजों को संविधान का पालन करना होता है। हम ऐसी स्थिति नहीं चाहते, जहां राष्ट्रपति को निर्देश दिए जाएं।

जज सुपर संसद की तरह काम कर रहे

राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक हालिया फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिया गया है। हम कहां जा रहे हैं? देश में क्या हो रहा है? हमें इसे लेकर बेहद संवेदनशील होने की जरूरत है। हमने इस दिन की कल्पना नहीं की थी, जहां राष्ट्रपति को तय समय में फैसला लेने के लिए कहा जाएगा और अगर वे फैसला नहीं लेंगे तो कानून बन जाएगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अब जज विधायी चीजों पर फैसला करेंगे।

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई: सरकार को जवाब देने के लिए सात दिन का समय, अगले आदेश तक संपत्तियों की स्थितियां भी नहीं बदलेंगी, नए वक्फ कानून के तहत नियुक्तियों पर रोक

वक्फ कानून पर सुप्रीम ब्रेक

● नई दिल्ली, ईएमएस

वक्फ संशोधन कानून पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में दूसरे दिन करीब 1 घंटे सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र सरकार को कानून पर जवाब देने के लिए 7 दिन का वक्त दिया है। सरकार के जवाब के बाद याचिकाकर्ताओं को 5 दिन में जवाब देना होगा। अगली सुनवाई 5 मई को दोपहर 2 बजे होगी।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून के खिलाफ दायर 70 याचिकाओं की जगह सिर्फ 5 याचिकाएं ही दायर की जाएं। उन्हीं पर सुनवाई होगी। तब तक सरकार को तीन निर्देश मानने होंगे। पहला, वक्फ बोर्ड पर केंद्र के जवाब तक वक्फ संपत्ति की स्थिति नहीं बदलेगी। दूसरा, कोर्ट से वक्फ घोषित संपत्ति डीनोटिफाई नहीं होगी। चाहे वह वक्फ बाय यूजर हो या वक्फ बाय डीड। तीसरा, वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिसर में कोई नियुक्ति नहीं होगी।

चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ से केंद्र की मांग पर सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन का समय दिया। सरकार ने यह भी आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई तक उपयोगकर्ता की ओर से वक्फ या दस्तावेजों की ओर से वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यदि किसी वक्फ संपत्ति का पंजीकरण 1995 के अधिनियम के तहत हुआ है, तो उन संपत्तियों को 5 मई को अगली सुनवाई तक गैर-अधिसूचित नहीं किया जा सकता। इसके बाद कोर्ट ने मामले की अगली तारीख 5 मई तय की।

गांव-गांव वक्फ में शामिल किए गए

सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है। सरकार को लाखों-लाखों प्रतिनिधि मिले, गांव-गांव वक्फ में शामिल किए गए। इतनी सारी जमीनों पर वक्फ का दावा किया जाता है। इसे कानून का हिस्सा माना जाता है। अंतरिम रोक की राय पर मेहता ने कहा कि कानून पर रोक लगाना एक कठोर कदम होगा। उन्होंने अदालत के सामने कुछ दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। सॉलिसिटर जनरल ने आश्वासन दिया कि इस दौरान बोर्ड या काउंसिल की कोई नियुक्ति नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है, जिस पर इस तरह से विचार किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसने कहा था कि कानून में कुछ सकारात्मक बातें हैं और इस पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। वह नहीं चाहता कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव हो।

मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव न हो

कोर्ट ने कहा कि जब मामला कोर्ट में लंबित है, तो हमे यह सुनिश्चित करना होगा कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव न हो। सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल के इस बयान को रिकॉर्ड में लिया कि केंद्र सात दिनों के भीतर जवाब देगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी। कोर्ट ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल ने आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई की तारीख तक, वक्फ, जिसमें पहले से पंजीकृत या अधिसूचना के माध्यम से घोषित वक्फ-बाय-यूजर शामिल है, को न तो डीनोटिफाई किया जाएगा और न ही कलेक्टर इसे लेकर कोई फैसला लेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सात दिनों के भीतर जवाब दाखिल करे। तब तक यथास्थिति बनी रहेगी। दूसरी ओर पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर कई याचिकाओं पर विचार करना असंभव है। पीठ ने स्पष्ट किया कि वह केवल पांच याचिकाओं पर सुनवाई करेगी, जबकि वकीलों से कहा कि वे आपस में तय करें कि कौन बहस करेगा।

सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने ली परेड की सलामी, जवानों को दिए वीरता पदक, कहा...

दुर्दांत नक्सलियों को 4 जिलों में समेटकर रख देने में सीआरपीएफ का बड़ा योगदान

नीमच, ईएमएस। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुरूवार को नीमच में स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में आयोजित सीआरपीएफ दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पशुपति से तिरुपति का हौसला रखने वाले दुर्दांत नक्सलियों को आज 4 जिलों में समेटकर रख देने में सीआरपीएफ का बहुत बड़ा योगदान है।

सीआरपीएफ की स्थापना और उसका ध्वज देने का काम महान सरदार वल्लभभाई पटेल ने किया है। केंद्रीय गृहमंत्री ने जवानों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए पदक और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। यह आयोजन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 86वें स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि देश में सीआरपीएफ के जवानों ने अपने बलिदान से एकता, शांति और आंतरिक सुरक्षा को कायम रखा है। गृहमंत्री ने कहा कि हमने तय किया है कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद और सभी देश विरोधी तत्वों का सफाया कर देंगे। इसमें सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन की बड़ी भूमिका रहेगी। इसके पहले उन्होंने सीआरपीएफ परिसर में स्थित शहीद स्मारक पर वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। फिर खुली जीप में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया।

2264 जवानों ने दिया बलिदान

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि सीआरपीएफ की स्थापना के बाद से अब तक 2264 जवानों ने देश की सुरक्षा के लिए बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं सभी बलिदानियों के परिवार से कहना चाहता हूं कि देश 2047 में सर्वोच्च बनने के लिए आगे बढ़ रहा है। सीआरपीएफ ने देश की एकता और अखंडता बनाने में मजबूत भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि जब भी देश में कहीं अशांति होती है। पर जब पता चलता है कि सीआरपीएफ के जवान वहां मौजूद हैं, तो निश्चित रहता हूं। इस बात का भरोसा है कि सीआरपीएफ है तो विजय सुनिश्चित है।

उज्जैन सिंहस्थ की तारीखें घोषित...27 मार्च से 27 मई तक दो महीने चलेगा कुंभ

सिंहस्थ-2028 में होंगे तीन अमृत स्नान और सात पर्व स्नान

उज्जैन, ईएमएस। भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में शिप्रा नदी किनारे वर्ष 2028 में लगने वाले महाकुंभ सिंहस्थ की तारीख शासन ने घोषित कर दी है। सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने बताया कि इस बार सिंहस्थ दो माह का होगा। 27 मार्च से 27 मई तक लगेगा। नौ अप्रैल से आठ मई तक तीन अमृत स्नान और सात स्नान पर्व होंगे। गत सिंहस्थ एक माह का था।

उज्जैन में हर 12 वर्ष के अंतराल पर महाकुंभ सिंहस्थ लगता है, जिसमें दुनियाभर से साधु-संत और श्रद्धालु शिप्रा नदी में स्नान करने आते हैं और धर्म, संस्कृति का प्रचार-प्रसार करते हैं। इस बार के महाकुंभ में 14 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान सरकार ने लगाया है। सिंहस्थ में अब 35 महीने का समय शेष रह गया है और स्थिति यह है कि सड़क, पुल, बिजली सहित अधिकांश प्रोजेक्ट कागजों में ही सिमटे पड़े हैं।

आगे चलकर हो सकती है बड़ी मुसीबत

प्रमुख बात यह है कि सालभर में सिंहस्थ मद के केवल दो काम ही धरातल पर प्रारंभ हो पाए हैं। विभागीय मद के अधिकांश प्रोजेक्ट सक्षम स्वीकृति और ठेकेदार चयन प्रक्रिया में ही उलझा रखे हैं। यह विशुद्ध रूप से अफसरों की उदासीनता एवं लापरवाही का प्रमाण है, जो समय रहते काम प्रारंभ और समाप्त न होने से आगे चलकर बड़ी मुसीबत खड़ी कर सकती है।

श्रद्धालुओं के लिए होगी व्यवस्थाएं

एक रिपोर्ट के अनुसार सिंहस्थ की महत्ता और विशालता को ध्यान में रख श्रद्धालुओं के लिए व्यापक व्यवस्थाएं करने को 11 विभाग 15751 करोड़ रुपये के 102 कार्य की योजना प्रस्तावित हैं, जिनमें 5133 करोड़ रुपये से 75 कार्य इस वर्ष सिंहस्थ मद से कराने की अनुशंसा संभागीय समिति ने की है। ध्यान देने वाली बात यह है कि प्रदेश बजट में सिंहस्थ मद दो हजार करोड़ का ही रखा गया है।

तेंदूपत्ता बोनस घोटाला... डीएफओ पटेल गिरफ्तार

रायपुर, ईएमएस। छत्तीसगढ़ एसीबी, ईओडब्ल्यू की टीम ने सुकमा में निलंबित डीएफओ अशोक पटेल को गिरफ्तार कर रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया है। ईओडब्ल्यू ने कोर्ट में अशोक पटेल को पेश कर पूछताछ करने के लिए कस्टोडियल रिमांड मांगी है। बतादें कि डीएफओ अशोक पटेल और उनके साथियों पर तेंदूपत्ता तोड़ने वाले मजदूरों के बोनस में बड़ा घोटाला करने का आरोप है।

तेंदूपत्ता तोड़ने वाले मजदूरों के बोनस में हेराफेरी का आरोप

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला, सुप्रीम कोर्ट से राहत, कहा...

जिनका नाम स्कैम में नहीं, नई प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ाएं

नई दिल्ली, ईएमएस। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को करीब 26,000 बर्खास्त शिक्षकों को राहत दी है। कोर्ट ने कहा- जिन शिक्षकों की नियुक्ति रद्द हुई है, वे नई चयन प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ाना जारी रख सकते हैं।

हालांकि, उनका नाम 2016 के घोटाले मामले में नहीं आया हो। कोर्ट ने कहा- हम नहीं चाहते कि बच्चों की पढ़ाई कोर्ट के फैसले से बाधित हो। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा- बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन को 31 मई तक भर्ती प्रक्रिया का नोटिफिकेशन जारी करना होगा। 31 दिसंबर तक चयन प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। बंगाल सरकार और स्स्ट को 31 मई तक भर्ती का विज्ञापन जारी कर उसका पूरा शेड्यूल कोर्ट को सौंपना होगा। अगर तय समय में प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो कोर्ट उचित कार्रवाई और जुर्माना लगाएगा। हालांकि, ग्रुप सी और ग्रुप डी के नॉन टीचिंग स्टाफ के कर्मचारियों को राहत नहीं मिल है। कोर्ट ने कहा- इनमें से ज्यादातर कर्मचारियों पर आरोप सिद्ध हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 3 अप्रैल को कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था।

सड़क हादसे रोकने के लिए राहगीर योजना

घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले को 25 हजार का इनाम

नई दिल्ली, ईएमएस। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में कमी लाने के लिए राहगीर योजना शुरू की जा रही है। इस स्कीम के तहत अगर कोई एक्सीडेंट होता है और घायल को लेकर कोई अस्पताल जाता है और उसकी जान बचाता है तो उसे 25 हजार रुपए का अवार्ड दिया जाएगा। साथ ही जिस अस्पताल में वह भर्ती होगा उसका अधिकतम 7 दिन का खर्चा या डेढ़ लाख रुपए सरकार देगी।

एक साल में 11 हजार युवाओं की जान गई

गडकरी ने कहा कि 2023 में स्कूलों और शैक्षणिक संस्थाओं के निकट हुई दुर्घटनाओं में 11 हजार से ज्यादा युवाओं की जान गई थी।

इनमें 10 हजार की उम्र 18 वर्ष से भी कम थी। स्कूलों के आसपास सुरक्षा स्थापित करने के साथ ही स्कूल के समय बच्चों के प्रवेश और निकास को लेकर सख्त प्रोटोकाल लागू करने की आवश्यकता है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जाएंगे अमेरिका

ब्राउन यूनिवर्सिटी में देंगे भाषण...

नई दिल्ली, ईएमएस। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अगले सप्ताह अमेरिका जाएंगे। इस दौरान वे ब्राउन यूनिवर्सिटी में भाषण देंगे। वे संकाय सदस्यों और छात्रों से बातचीत भी करेंगे। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 21 और 22 अप्रैल को अमेरिका के रोड आइलैंड में ब्राउन यूनिवर्सिटी जाएंगे। वहां वे भाषण देंगे। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों से कई मुद्दों पर बात करेंगे। उन्होंने कहा कि रोड आइलैंड जाने से पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता एनआरआई समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के पदाधिकारियों और सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे। इससे पहले पिछले साल सितंबर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा की थी।

सस्ता कर्ज देकर रूसी हथियारों का बाजार हथिया रहा भारत

ब्राजील-अर्जेंटीना समेत 20 देशों में भेजे डिप्लोमैट, रूस-यूक्रेन जंग का फायदा

नई दिल्ली, ईएमएस। भारत हथियार खरीदने वाले देशों को सस्ते और लंबे समय तक के कर्ज देने की पेशकश कर रहा है। टारगेट वे देश हैं, जो अब तक रूस से हथियार खरीदते रहे हैं। रूस के यूक्रेन जंग में फंसे होने की वजह से ये देश अब नए विकल्प तलाश रहे हैं। भारत इसका फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। भारत, यूक्रेन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार खरीदने वाला देश है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में सरकार हथियारों के निर्यात पर भी जोर दे रही है। इसके लिए भारत एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक के माध्यम से हथियार खरीदने के लिए कर्ज मुहैया करा रहा है।

सरकार एक्सीम बैंक की मदद से हथियार खरीदने वाले देशों को कम ब्याज दरों पर और लंबे समय के लिए लोन देने के प्लान पर काम कर रही है। इसका फायदा उन देशों को मिलेगा जो राजनीतिक अस्थिरता या कम क्रेडिट रेटिंग की वजह से महंगे कर्ज नहीं उठा पाते। भारत ने इसके लिए ब्राजील-अर्जेंटीना समेत 20 देशों में अपने डिप्लोमैट भेजे हैं।

रूस-यूक्रेन जंग बनी टर्निंग पॉइंट

फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था। बीते 3 साल के दौरान इस जंग में अमेरिका और रूस दोनों ने अपने हथियार झोंके हैं। ऐसे में इन दोनों देशों पर निर्भर अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के देशों के पास हथियारों की आपूर्ति के लिए विकल्पों की कमी हो गई है। भारत ने मौके को पहचाना और उन देशों से संपर्क बढ़ाया।

इजराइल ने दी चेतावनी-बंधकों के रिहा करो, नहीं तो

गाजा में अन्न का एक दाना नहीं पहुंचने देंगे

तेलअवीव, ईएमएस। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि जब तक इजराइली बंधक नहीं लौटाए जाएंगे, गाजा में अन्न का एक दाना नहीं पहुंचने दिया जाएगा। काट्ज ने कहा कि इस मामले में इजराइल की नीति बिल्कुल साफ है। इजराइल ने गाजा पट्टी में सभी मानवीय सहायता (खाना, पानी, दवाइयां, तेल) पर रोक लगा दी है। यह नाकाबंदी 2 मार्च 2025 को शुरू हुई थी। इजराइल ने हमास पर बंधक बनाए गए 58 लोगों को रिहा करने का दबाव बनाने के लिए यह कदम उठाया था। इजराइल का मानना है कि गाजा में पहुंचने वाली मदद को हमास हथिया लेता है, जिससे आम जनता तक मदद नहीं पहुंचती। मेडिसिन्स सैंस फ्रंटियर्स ने गाजा को फिलिस्तीनियों के लिए सामूहिक कब्र बताया है। मेडिकल ऐड फॉर फिलिस्तीन्स के निदेशक महमूद शलाबी ने कहा कि पिछले 18 महीनों में यह सबसे खराब स्थिति है। बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं हो रही हैं, और हमले फिर से शुरू हो गए हैं।

सेंसेक्स में 1509 अंक चढ़कर 78,553 पर बंद

मुंबई, ईएमएस। शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट के बाद बड़ी तेजी रही।

बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर में सबसे ज्यादा खरीदारी

सेंसेक्स 1509 अंक (1.96 प्रतिशत) चढ़कर 78,553 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 414 अंक (1.77 प्रतिशत) की तेजी रही, ये 23,852 के स्तर पर बंद हुआ। सुबह सेंसेक्स में करीब 350 अंकों की गिरावट थी। यानी, निचले स्तर से सेंसेक्स करीब 1900 अंक संभला। वहीं, निफ्टी करीब 140 अंक नीचे था। ये निचले स्तर से करीब 550 अंक संभला। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी रही।

गेहूं खरीदी केंद्र पर तुलाई में हेराफेरी

मंत्री ने पकड़ा प्रति बोरी 150 ग्राम का फर्जीवाड़ा, 4 क्विंटल गेहूं जब्त

राजगढ़, ईएमएस। मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार ने गुरूवार को राजगढ़ जिले के नापानेरा गेहूं उपार्जन केंद्र पर औचक निरीक्षण कर बड़ी धोखाधड़ी का खुलासा किया। रीक्षण के दौरान पाया गया कि प्रत्येक बोरी में 150 ग्राम गेहूं की कम तौल की जा रही थी, जिससे किसानों को सीधा नुकसान हो रहा था।

निरीक्षण में सामने आया कि बारदाने का वास्तविक वजन 500 ग्राम होने के बावजूद 650 ग्राम दर्ज किया जा रहा था, जिससे हर बोरी में किसान को 150 ग्राम गेहूं कम तौला जा रहा था। अब तक इस केंद्र पर 20,000 क्विंटल से अधिक गेहूं की खरीदी हो चुकी है, यानी हजारों किलो गेहूं की हेराफेरी की आशंका है। कलेक्टर को दिए कड़े निर्देशः मंत्री पंवार ने मौके से करीब 4 क्विंटल गेहूं जब्त किया, जिसकी तौल में गड़बड़ी पाई गई। उन्होंने जिला कलेक्टर को निर्देशित किया कि इस मामले में तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मंत्री ने यह भी कहा कि इस प्रकार की लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भाजपा के नए अध्यक्ष के चुनाव में आधा दर्जन राज्य बने रोड़ा, पीएम मोदी ने संभाला मोर्चा

जहां आम सहमति नहीं, वहां दिल्ली से तय होगा अध्यक्ष

● नई दिल्ली, ईएमएस

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में हो रही देरी को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोर्चा संभाल लिया। पीएम मोदी ने अपने आवास पर अमित शाह, राजनाथ सिंह और बीएल संतोष सहित वरिष्ठ नेताओं के साथ मैराथन बैठक की।

इन नेताओं ने भाजपा अध्यक्ष के चुनाव की राह में सियासी रोड़ा बने उत्तराखंड, गुजरात और कर्नाटक सहित करीब एक दर्जन राज्यों के संगठन चुनाव का सॉल्यूशन निकालने की कवायद की। माना जा रहा है कि अब अगले दो-तीन दिनों में करीब आधा दर्जन राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा हो सकती है। इन राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष के नाम फाइनल होने के बाद ही अगले हफ्ते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर भी मुहर लग जाएगी।

नड्डा का एक्सटेंशन हो रहा पूरा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव जनवरी में होना था, लेकिन आधा अप्रैल बीत जाने के बाद भी ये नहीं हो सका है। जेपी नड्डा जनवरी 2020 में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए गए थे। भाजपा के संविधान के मुताबिक जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में खत्म हो गया था, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के चलते उनका कार्यकाल आगे बढ़ा दिया गया था। लोकसभा चुनाव हुए एक साल होने जा रहा है, लेकिन अभी भी तक भाजपा अध्यक्ष के नाम पर फैसला नहीं हो सका।भाजपा की संसदीय कमेटी ने 13 मार्च को जेपी नड्डा के कार्यकाल को 40 दिन का विस्तार दिया था। इस तरह से 23 अप्रैल को ये समय पूरा हो रहा है।

पीएम मोदी की बैठक से निकला सॉल्यूशन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर अध्यक्ष के चुनाव को लेकर मंथन किया। इस दौरान कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, गुजरात, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, हरियाणा, हिमाचल और हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष के नामों पर चर्चा हुई। पीएम मोदी की बैठक में आधा दर्जन राज्यों के प्रदेश के नाम पर सहमति बनी है। माना जा रहा है कि अगले दो-तीन दिनों में करीब आधा दर्जन राज्यों के अध्यक्षों के नाम का ऐलान किया जा सकता है। इसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव प्रक्रिया 20 अप्रैल से शुरू हो सकती है।कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, गुजरात, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, हरियाणा, हिमाचल और हरियाणा जैसे राज्यों में संगठन चुनाव नहीं होने के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष में देरी हो रही है।

इंजीनियर बना नशा तस्कर, 4 करोड़ गांजा और 36 लाख नगद मिले

बेंगलुरु, ईएमएस। इंजीनियर अब ड्रग्स बेचने का काम कर रहा था। पुलिस का कहना है कि ये आईटी कंपनियों में काम करने वाले लोगों को हाइड्रो गांजा सप्लाई करता था। पुलिस ने इससे 3.5 किलो गांजा बरामद किया है। इस गांजे की कीमत लगभग 4 करोड़ रुपये बताई जा रही है। साथ ही, पुलिस को इसके पास से 36 लाख रुपये कैश भी मिले हैं।

रूस-चीन की साजिश बेनकाब! यूक्रेन ने दुनिया को दिखाए चीनी सैनिक

मॉस्को, ईएमएस। रूस और यूक्रेन के युद्ध में यूक्रेन ने चीनी नागरिकों को पकड़ा था। इससे सवाल उठने लगा कि क्या चीन चुपके से रूस के साथ मिलकर यूक्रेन को तबाह करने में लगा है? यूक्रेन ने दुनिया को चौंकाते हुए चीनी सैनिकों की मीडिया के सामने परेड कराई गई। यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन है, लेकिन यूक्रेन ने चीन को झूठा साबित करने के लिए यह जोखिम उठाया है। चीन इससे भड़क गया है।

फटाफट खबरें

विदेशी महिला पर्यटक से छेड़छाड़

आगरा, ईएमएस। ऐतिहासिक आगरा किले में एक लिथुआनियाई महिला पर्यटक के साथ कथित छेड़छाड़ के आरोप में पुलिस ने मेवात निवासी मिजान नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह घटना तब हुई जब पीड़िता किले का भ्रमण कर रही थी। महिला द्वारा पर्यटन थाना पुलिस में शिकायत दर्ज की गई, जिसके बाद ताज सुरक्षा के सहायक पुलिस आयुक्त सैयद अरीब अहमद के निर्देशन में सीसीटीवी फुटेज देखकर मिजान की पहचान कर गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी मिजान भी आगरा किला देखने आया था और तभी आरोपी ने महिला पर्यटक को अनुचित तरीके से छुआ।

सेना का जवान गिरफ्तार

जालंधर, ईएमएस। जालंधर के एक यूट्यूबर के घर पर बीते महीने हथगोला फेंकने की घटना के मामले में सेना के एक जवान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सेना के जवान सुखचरण सिंह को एक आरोपी को हथगोला फेंकने का ऑनलाइन प्रशिक्षण देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यूट्यूबर रोजर संधू के आवास पर 15-16 मार्च की दरमियानी रात को एक हथगोला फेंका गया था हालांकि यह फटा नहीं था। पुलिस ने कहा कि मामले में जवान की भूमिका के बारे में सेना अधिकारियों को अवगत किया गया है।

भारत दौरे पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

नई दिल्ली, ईएमएस। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपनी पत्नी ऊषा वेंस और बच्चों के साथ 18 अप्रैल को भारत दौरे पर आ रहे हैं। यह दौरा 18 से 24 अप्रैल तक चलेगा, जिसके बाद वेंस दंपती इटली की यात्रा पर रवाना होने वाले है। भारत में अपने प्रवास के दौरान वेंस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने और व्यापारिक टैरिफ जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा कर सकते है। गौरतलब है कि ऊषा भारतीय मूल की पहली अमेरिकी 'सेकेंड लेडी' हैं। उनका भारत दौरा पारिवारिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी काफी अहम है। सूत्रों के मुताबिक, वेंस परिवार आगरा में ताजमहल का दीदार करेगा।

हवाई हमलें में एक व्यक्ति की मौत

सना, ईएमएस। यमन की राजधानी सना में हुए संदिग्ध अमेरिकी हवाई हमलों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हुई है। यह दावा यमन में सक्रिय हूती विद्रोहियों ने किया है। इन हमलों को लेकर अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमलों के पीछे कौन से सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया गया। अमेरिका द्वारा हूती विद्रोहियों के खिलाफ यह सैन्य अभियान 15 मार्च से जारी है। अमेरिका रेड सी में तैनात विमान वाहक पोत यूएसएस हैरी एस.ट्रूमैन, अरब सागर में मौजूद यूएसएस कार्ल विन्सन और हिंद महासागर स्थित डिएगो गार्सिया द्वीप से ऑपरेशन को अंजाम दे रहा है।

प्रकृति का ऐसा कहर कि चारों ओर मचा कोहराम

ओले, बाढ़ और आंधी से उजड़ा इस्लामाबाद

उखड़े पेड़ तो रास्ते हुए बंद, बारिश ने दी गर्मी से राहत लेकिन बिजली हुई गुल

● इस्लामाबाद, ईएमएस

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और खैबर पख्तूनख्वा में बुधवार को अचानक आई भयानक ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई। 35 मिनट की आंधी और ओले ने इस्लामाबाद को तहस-नहस कर दिया। गाड़ियों के शीशे चकनाचूर, सोलर पैनल बर्बाद, पेड़ उखड़ गए और कई इलाकों में बाढ़ ने कोहराम मचा दिया।

अचानक हुई बारिश के कारण निचले इलाकों में बाढ़ आ गई, जिससे सड़कें और घर डूब गए। तारनोल इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित रहा जहां उखड़े पेड़ों ने रास्ते बंद कर दिए। इस बारिश ने गर्मी से राहत दी, लेकिन कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। डिप्टी कमिश्नर ऑफिस ने कहा, हमारी टीमें सड़कों पर हैं, पानी निकासी का काम जारी है। नुकसान का आकलन हो रहा है। ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर यातायात बहाल किया जा रहा है। अप्रैल में जहां दक्षिणी पंजाब, सिंध और बलूचिस्तान में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया, वहीं इस्लामाबाद में यह बारिश कुछ राहत लेकर आई। लेकिन यह राहत महंगी साबित हुई। पाकिस्तान मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आज से 20 अप्रैल तक इस्लामाबाद, रावलपिंडी और अन्य उत्तरी इलाकों में बारिश, आंधी और तूफान का दौर जारी रहेगा। खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, मरी और आसपास के पहाड़ी इलाकों में आग का खतरा बढ़ेगा। मई-जून में अरब सागर में चक्रवात बन सकते हैं, जो तटीय इलाकों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।यह कोई साधारण बारिश नहीं थी, बल्कि सीधे तौर पर प्रकृति का गुस्सा था, जो जलवायु परिवर्तन की चेतावनी दे रहा है। इस्लामाबाद में अचानक तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। 35 मिनट तक आसमान से टेनिस बॉल के आकार के ओले बरसते रहे। इसने सब कुछ तहस-नहस कर दिया।

फाईल फोटो

ओले की मार से बर्बाद हुए वाहन

सोशल मीडिया पर कई वीडियो आए हैं, जिसमें दिख रहा है कि दर्जनों गाड़ियां ओले की मार से बर्बाद हो चुकी हैं। बारिश थमने के बाद लोगों ने अपने घरों और गाड़ियों को देख कर सिर पर हाथ रख लिया। खैबर पख्तूनख्वा में भी बाढ़ ने हालात बिगाड़ दिए हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कहना है, हम लंडीकोटल, मरदान और अन्य जिलों में बाढ़ से निपटने को तैयार हैं। फसलों को हुए नुकसान की अभी कोई पक्की खबर नहीं, लेकिन किसानों की चिंता बढ़ रही है।

पीपीपी ने कहा भयानक

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की सीनेटर और पूर्व जलवायु परिवर्तन मंत्री शेरी रहमान ने इसे 'भयानक' करार दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, ओले गोली की तरह बरस रहे थे। यह जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसम की उग्रता है। यह कोई सामान्य घटना नहीं, यह इंसानी हरकतों का नतीजा है, जैसे गंदी ऊर्जा का इस्तेमाल और बढ़ता उत्सर्जन।

जम्मू-कश्मीर में तूफान के साथ तेज बारिश ने बरपाया कहर: राजौरी में गिरा पुल, अनेक वाहन मलबे में दबे

जम्मू, (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में बुधवार शाम आंधी-तूफान के साथ आई तेज बारिश ने भारी तबाही मचाई। सबसे गंभीर घटना राजौरी जिले में सामने आई, जहां तेज हवाओं के चलते हंजना और बरेरी गांवों को जोड़ने वाला एक निर्माणाधीन पुल भरभराकर गिर गया। पुल गिरने से कई वाहन मलबे में दब गए।

तूफान और तेज बारिश से हुई इस घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और पुल निर्माणकर्ता कंपनी के कॉन्ट्रैक्टर मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। तकनीकी टीम द्वारा जल्द ही पुल की जांच रिपोर्ट सौंपी जाएगी। राजौरी के साथ ही साथ जम्मू और उधमपुर जिले भी इस तूफान से खासे लोग प्रभावित हुए हैं। जम्मू शहर में सचिवालय के पीछे की दीवार गिर गई, जिससे आसपास खड़ी कई गाड़ियां मलबे में दब गईं। इसके अलावा, तेज हवाओं ने कई पेड़ों को जड़ से उखाड़ दिया, जिससे सड़क संपर्क बाधित हुआ और बिजली आपूर्ति भी ठप पड़ गई। उधमपुर जिले के कई हिस्सों में पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित हुआ है।

बिहार में दलित बस्ती की आग ने लोगों को किया बर्बाद, अब खाने-पहनने तक को कुछ नहीं

मुजफ्फरपुर, ईएमएस। जिले के सकरा रामपुर मनी गांव के दलित बस्ती में अचानक आग लगने से चार बच्चों की मौत हो गई थी। आग की लपटों में आस पास के दर्जनों घरों को आग अपनी चपेट में लिया। इसके बाद घर में फंसे लोग अपनी जान बचाने घर से बाहर भागे। इस दौरान एक परिवार के तीन बच्चे घर में ही फंस गए और उनकी आग में झुलसकर मौत हो गई। उनकी मौत से पूरे गांव में मातम पसरा है। वहीं, इस हादसे में दो परिवारों अपने बच्चों के शादी के लिए सालों से जोड़कर रखा सामान गहने, साड़ी, कपड़ा, सभी चीजें आंखों के सामने जलते देखते रहे। अब घर में धुंए की गंध, जले हुए गहने और बर्तन नजर आ रहे हैं। परिवार के पास खाने को अन्न तक नहीं है। आंखों में आंसू और दर्द लेकर आग में सब गवां चुकी जलसी देवी ने बताया कि सालों से जोड़ा शादी का सामान सब जलकर राख हो गया।

हिमाचल प्रदेश में तूफान से तबाही, कई घरों की छतें उड़ीं...रातभर गुल रही बिजली

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में आधी रात को तूफान ने तबाही मचा दी है। 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चले तूफान से कई घरों की छत्ते उड़ गई। कई जगह पेड़ उखड़ गए। तूफान से बिजली लाइन क्षतिग्रस्त हुई।

इससे आंधी रात को आधे हिमाचल में ब्लैक आउट हो गया है। राजधानी शिमला शहर सहित कांगड़ा, बड़सर, सुजानपुर, ऊना और चंबा के सैकड़ों गांव व घर बीती रात से सुबह 10 बजे तक अंधेरे में डूबे रहे। कई ग्रामीण इलाकों में दोपहर 12 बजे भी बिजली नहीं आई। शिमला के ठियोग, मंडी के सराज, आनी, कांगड़ा, सिरमौर, सोलन में कई घरों की छत उड़ गई। प्रदेश में जगह जगह तूफान के बाद पेड़ जड़ से ही उखड़ गए। इससे कई सड़कें भी यातायात के लिए बंद हो गई। प्रदेश में तूफान से काफी नुकसान हुआ है। इससे मैदानी इलाकों में गेहूं फसल भी तबाह हुई है। शिमला, कुल्लू, चंबा जिला में सेब की फसल को नुकसान हुआ है। इन जिलों में सेब के पौधे जड़ से ही उखड़ गए।

अगले 4 दिन बारिश-ओलावृष्टि की चेतावनी

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस अगले 4 दिन तक सक्रिय रहेगा। 18 और 19 अप्रैल को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला और लाहौल स्पीति जिला में कुछेक स्थानों पर भारी बारिश व ओलावृष्टि हो सकती है। इन जिलों में 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से तूफान चलने की भी चेतावनी दी गई है।

तीसरे दिन भी ईडी के दफ्तर पहुंचे रॉबर्ट वाड्रा प्रियंका गांधी भी दिखीं साथ

लगातार दो दिनों में 11 घंटे की लंबी पूछ-ताछ

नई दिल्ली, ईएमएस। रॉबर्ट वाड्रा तीसरे दिन गुरुवार को भी ईडी के दफ्तर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी और वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी नजर आईं। ईडी ने समन भेजकर वाड्रा को पूछताछ के लिए कार्यालय बुलाया था, इसके चलते मंगलवार को वो ईडी के दफ्तर पहुंचे थे, जहां उनसे 5 घंटे पूछताछ की गई थी, इसके बाद बुधवार को भी वाड्रा ईडी दफ्तर पहुंचे थे, जहां उनसे 6 घंटे तक पूछताछ हुई और अब तीसरे दिन गुरुवार को फिर वाड्रा ईडी के समक्ष पेश हुए।

हरियाणा के शिकोपुर लैंड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की जांच का सामना कर रहे रॉबर्ट वाड्रा गुरुवार को लगातार तीसरे दिन ईडी दफ्तर पहुंचे। इस दौरान उनकी पत्नी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी उनके साथ मौजूद रहीं। वाड्रा से ईडी द्वारा बुधवार को करीब 6 घंटे और मंगलवार को साढ़े 5 घंटे पूछताछ की गई थी। अब तक कुल मिलाकर 11 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की जा चुकी है। यह मामला वर्ष 2008 में गुरुग्राम के मानेसर-शिकोहपुर इलाके में खरीदी गई जमीन से जुड़ा बताया गया है, जिसे कथित तौर पर वाड्रा की कंपनी स्काइलाइट हॉस्पिटलिटी ने 7.5 करोड़ रुपये में खरीदा और 2012 में डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेचा जाना दृष्टव्य है। इस सौदे से कंपनी को लगभग 50 करोड़ रुपये का लाभ हुआ। इस लेन-देन पर विवाद तब खड़ा हुआ जब वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने इस जमीन के म्यूटेशन को रद्द कर दिया और इसे राज्य के समेकन अधिनियम का उल्लंघन बताया। बहरहाल ईडी की लगातार पूछताछ के बीच रॉबर्ट वाड्रा खुद को निर्दोष बता चुके हैं। उनका कहना था कि उन्होंने 2019 में ही हर सवाल का जवाब दे चुके हैं। इस दौरान वाड्रा ने केंद्र सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप भी लगाया है।

अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने की सजा काट रहा हूं: वाड्रा

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा गुरुग्राम में 2008 के जमीन का सौदा किया था। इससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की जांच का सामना उन्हे करना पड़ रहा है। ईडी द्वारा की जा रही पूछताछ को वाड्रा ने साजिश करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और यह कदम कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाने का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह सब तब शुरू हुआ जब उन्होंने अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के खिलाफ सोशल मीडिया पर आवाज उठाई और राजनीति में प्रवेश की इच्छा जताई।

वाड्रा ने दावा किया कि उनसे वही पुराने सवाल पूछे जा रहे हैं, जिनका जवाब वे पहले ही 2019 में दे चुके हैं। उन्होंने कहा, यह वही पुराने सवाल हैं जिनके जवाब मैंने 2019 में दिए थे। इनका कोई आधार नहीं है। कोई गलत काम नहीं किया गया है। इस केस में खुद बीजेपी के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दो बार मुझे क्लीन चिट दी है, फिर अब समन क्यों? उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर लगे आरोपों को भी राजनीति से प्रेरित बताया। प्रियंका गांधी के पति ने आगे कहा, नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट और मुझे समन एक ही दिन में भेजा गया यह बीजेपी का राजनीतिक कैंपेन है और ईडी का दुरुपयोग है।

ट्रंप ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को दी धमकी, अब विदेशी छात्रों के दाखिले को रोकेगा

हार्वर्ड के अध्यक्ष ने कहा- हम अपनी स्वतंत्रता व अधिकारों से समझौता नहीं करेंगे

वॉशिंगटन, ईएमएस। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के बीच तनाव चरम पर है। ट्रंप ने जो शर्तें रखी थीं, उसे हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने मानने से इनकार कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने अब हार्वर्ड को झुकाने के लिए नया पेंचरा अपनाया है। ट्रंप प्रशासन ने धमकी दी है कि अगर हार्वर्ड मांगें नहीं मानता है तो उसे विदेशी छात्रों के दाखिले से रोका जाएगा। यह विवाद न केवल हार्वर्ड की स्वतंत्रता को चुनौती दे रहा है, बल्कि उन छात्रों के सपने पर ग्रहण लगा रहा है, जो अमेरिका में पढ़ना चाहते हैं।

ट्रंप उस हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के खिलाफ एक्शन लेना चाहते हैं, जिसने अब तक दुनिया को 162 नोबेल पुरस्कार विजेता दिए हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि ट्रंप उसपर लगाम नहीं लगा पा रहे हैं। ट्रंप ने हार्वर्ड पर सख्त सरकारी नियंत्रण की मांग की है, जिसमें दाखिला प्रक्रिया, स्टाफ भर्ती और राजनीतिक विचारों की जांच शामिल है। हार्वर्ड ने इन मांगों को खारिज कर दिया जिससे ट्रंप प्रशासन भड़क गया। होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा कि अगर हार्वर्ड अपनी रिपोर्टिंग जरुरतों का पूरी तरह पालन नहीं करता है तो उसे विदेशी छात्रों के दाखिले का विशेषाधिकार खोना पड़ेगा। ट्रंप ने हार्वर्ड को मजाक करार देते हुए ट्रुथ सोशल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हार्वर्ड को अब एक सम्मानजनक शिक्षण संस्थान भी नहीं माना जा सकता और इसे दुनिया की महान विश्वविद्यालयों या कॉलेजों की किसी भी सूची में नहीं रखा जाना चाहिए।

झाड़ियों में छिपी बाघिन ने किया हमला बच्चे की गर्दन दबोच जंगल भागी

गणेश मंदिर में भगवान को शादी का न्यौता देने जा रहा था परिवार, मचा हाहाकार

रणथंभौर, ईएमएस। रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान के पास एक दर्दनाक घटना घटी। जहां एक बाघिन ने मासूम बच्चे पर हमला कर बच्चे को उसकी दादी के सामने उठाकर जंगल में भाग गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई और पूरे क्षेत्र में मातम छा गया। घटना दोपहर की बताई जा रही है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि लोग उद्यान के पास बने मंदिर से कर लौट रहे थे तभी अचानक झाड़ियों से एक बाघिन निकली और बच्चे को झपट लिया। बाघिन ने बच्चे की गर्दन अपने मुंह में दबाई और पहाड़ियों की ओर भाग गई। बच्चे दादी जो अपने पोता-पोती के साथ त्रिनेत्र गणेश मंदिर में शादी का न्योता देने आई थी इस घटना को देखकर जोर-जोर से रोने लगीं और बेहोश हो गईं।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम और अधिकारी मौके पर पहुंचे। सुरक्षा को देखते हुए मंदिर मार्ग को बंद कर दिया गया। झाड़ियों के बीच लगे कैमरों की जांच करने पर पता चला कि बाघिन जिसका नाम सुल्ताना है वह बच्चे के शव के पास बैठी थी और उसके पैर पर पंजा रखकर उसे दबाए हुई थी। करीब दो घंटे तक बाघिन शव के पास बैठी रही। वन विभाग ने बाघिन को हटाने के लिए पटाखे फोड़े।

मनमानी फीस वसूलने की शिकायतों पर दिल्ली की रेखा सरकार ने लिया एक्शन

600 निजी स्कूलों का निरीक्षण कर कई को भेजा कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, ईएमएस। दिल्ली की रेखा सरकार ने मनमाने ढंग से फीस बढ़ोतरी की मिली शिकायतों के बाद 600 निजी स्कूलों का निरीक्षण किया और 10 से ज्यादा स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। एक बयान के मुताबिक दिल्ली शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने मनमाने ढंग से और ज्यादा फीस बढ़ोतरी की मिली शिकायतों के बाद निजी स्कूलों की जांच के लिए जिला स्तरीय समितियों का गठन किया है।

एसडीएम की अध्यक्षता वाली इन समितियों में शिक्षा उपनिदेशक, लेखा अधिकारी और सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्य शामिल किए गए हैं। टीम को निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है, जिनमें शिक्षा निदेशालय को मिली शिकायतों में खासतौर पर उल्लेखित स्कूल शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि दिल्ली के अब तक 600 से ज्यादा स्कूलों का निरीक्षण किया जा चुका है और यह प्रक्रिया अभी जारी है। शिक्षा निदेशालय ने कहा कि मुनाफाखोरी के लिए मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करने के लिए दोषी पाए स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसमें कहा गया कि 10 से ज़्यादा ऐसे स्कूलों को पहले ही नोटिस दिया जा चुका है। शिक्षा निदेशालय ने कहा कि गंभीर मामलों में मान्यता रद्द करने और स्कूल प्रबंधन को अपने नियंत्रण में लेने जैसी कार्रवाई पर भी विचार किया जा रहा है। बता दें बुधवार को कई अभिभावकों ने दिल्ली शिक्षा निदेशालय कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था और बढ़ी हुई स्कूल फीस को वापस लेने और मामले में अधिकारियों से हस्तक्षेप करने की मांग की थी।

हिंदू समुदाय के लिए खतरा बन चुकी हैं ममता बनर्जी: मिथुन चक्रवर्ती

कोलकाता, ईएमएस। फिल्म अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी पर बड़ा और गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने साफ कहा कि बनर्जी हिंदु समुदाय के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुकी हैं।

उन्होंने वक्फ कानून को बंगाल में लागू न करने लिए तल्ख लहजे में सवाल किया कि क्या ममता बनर्जी संविधान ऊपर हैं, उन्हें ये हक किसने दिया? अभिनेता ने आरोप लगाया कि राज्य में हो रही साम्प्रदायिक हिंसा के लिए ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं। मिथुन बोले, बीजेपी नहीं, ममता बनर्जी ही साम्प्रदायिक तनाव फैला रही हैं। वो समुदायों के बीच फूट डालने का काम कर रही हैं। बंगाली हिंदू अब बेघर हो गए हैं, राहत कैंपों में खिचड़ी खा रहे हैं।

राजस्थान की बेटी बनी इसरो में वैज्ञानिक

सीकर, ईएमएस। जिले के छोटे से गांव रोरु बड़ी की होनहार बेटी विभा शर्मा ने वो कर दिखाया है, जिसका सपना लाखों युवा देखते हैं। विभा अब भारत के गौरव, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में बतौर वैज्ञानिक अपनी सेवाएं देंगी।

विभा शर्मा, रिटायर्ड शिक्षक सुरेन्द्र कुमार शर्मा और सांख्यिकी विभाग की निदेशक इंदिरा शर्मा की बेटी हैं। घर में शिक्षा का माहौल और माता-पिता की प्रेरणा ने बचपन से ही विभा को पढ़ाई के प्रति समर्पित बना दिया। माता-पिता के संस्कार और अनुशासन ने विभा को बचपन से ही पढ़ाई के प्रति समर्पित बना दिया। सीकर में 12वीं तक की पढ़ाई करने के बाद विभा ने 2019 में एमएनआईटी जयपुर से बीटेक किया। इसके बाद गेट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया 92वीं रैंक हासिल की। यहां से उनका सफर पहुंचा आईआईटी मुंबई, जहां उन्होंने धातुकर्म और सामग्री विज्ञान में एमटेक किया, वो भी फर्स्ट रैंक के साथ। इस दौरान वह जिंदल स्टील (हिसार) में एसोसिएट मैनेजर के रूप में कार्यरत रहीं। इसरो में वैज्ञानिक बनने के बाद अब विभा उन खास वैज्ञानिकों की टीम में शामिल होंगी जो अंतरिक्ष से लाए गए तत्वों और मैटीरियल पर रिसर्च करते हैं।

सास ने कहा प्रेमी राहुल के साथ ही रहूंगी

अलीगढ़, ईएमएस। यूपी के अलीगढ़ में अपने होने वाले दामाद से साथ भागी सास और दामाद को बिहार में नेपाल बार्डर से बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया है यह गिरफ्तारी भी उसी दिन हुई जिस दिन उनकी बेटी की शादी होनी थी। बता दें 6 अप्रैल को सास सपना अपने दामाद राहुल के साथ फरार हो गई। ठीक शादी की तारीख यानी 16 अप्रैल को राहुल अपनी सास सपना के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचा। पुलिस ने उनसे पूछताछ की। यहां सास ने बेखौफ होकर कहा कि वह राहुल के साथ ही रहना चाहती है उसने अपने पति पर मारपीट करने के गंभीर भी आरोप लगाए हैं।

म्यांमा में नववर्ष थिंगयान के मौके पर 4,900 कैदियों को रिहा किया गया

नेपीडॉ, ईएमएस। म्यांमा की सैन्य सरकार ने देश के पारंपरिक नववर्ष थिंगयान के मौके पर करीब 4,900 कैदियों को रिहा करने की घोषणा की है। यह जानकारी सरकारी मीडिया के हवाले से सामने आई। मीडिया के हवाले से बताया गया कि सत्तारूढ़ सैन्य परिषद के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग द्वारा घोषित आम माफी के तहत 4,893 कैदियों को माफ किया गया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इनमें कितने राजनीतिक कैदी शामिल हैं, खासकर वे जिन्हें सेना विरोधी प्रदर्शनों में भाग लेने या सैन्य शासन की आलोचना करने के कारण जेल में डाला गया था। बताया गया कि 13 विदेशी नागरिकों को भी रिहा कर म्यांमा से

निर्वासित किया जाएगा। सैन्य परिषद के अनुसार कुछ कैदियों की सजाओं में कटौती भी की गई है, लेकिन हत्या, बलात्कार और अन्य गंभीर अपराधों के दोषियों को कोई रियायत नहीं दी गई है।

नववर्ष पर परंपरा

म्यांमा में नववर्ष के दौरान कैदियों को रिहा करने की परंपरा रही है, जिसे 'दया और क्षमा' का प्रतीक माना जाता है। हालांकि इस बार की रिहाई राजनीतिक संदर्भ में कहीं अधिक महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

पति को मारकर सांप से डंसवाया

मेरठ, ईएमएस। यूपी के मेरठ जिले में पतियों की हत्या के लगातार सनसनीखेज मामले सामने आ रहे हैं। सौरभ हत्याकांड के आरोपी मुस्कान और साहिल शुक्ला को सजा नहीं हो पाई है। सौरभ हत्याकांड में उसकी पत्नी मुस्कान ने नीले ड्रम का इस्तेमाल किया था, जिसमें उसने सौरभ की लाश को सीमेंट से भरकर जमा दिया था। इस बीच एक और हत्या का खुलासा हुआ है। जहां पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति की हत्या कर दी। हैवानियत की हद तो तब पार हो गई, जब पत्नी ने अपने पति की लाश को 10 बार जहरीले सांप से डंसवाया। इस पूरे मामले का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ है।

चीन पर 100 फीसदी टैरिफ से अमेरिका को होगा ज्यादा नुकसान, फेडरल रिजर्व के चेयरमैन ने कहा...

टैरिफ से अर्थव्यवस्था आ सकती है गहरे संकट में

● वाशिंगटन, ईएमएस

चीन और अमेरिका के बीच टैरिफ वॉर थमता नहीं दिख रहा है। अब अमेरिका ने चीन पर 100 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इसके साथ ही अमेरिका पहुंचने वाले चीनी सामान पर अब कुल 245 फीसदी टैरिफ लगेगा। इससे पहले चीन ने अमेरिकी सामान पर 125 फीसदी टैरिफ लगा दिया था और डील के बावजूद वोइंग विमानों को लेने से इनकार कर दिया था। इससे अमेरिका बौखला गया और टैरिफ को 100 फीसदी कर दिया।

अमेरिका के बढ़े टैरिफ पर चीन ने कहा कि हम ट्रेड वॉर से नहीं डरते। चीन ने ली चेंगगांग के रूप में नए अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधि को तैनात किया है। यह कदम ट्रंप के उस बयान के बाद उठाया गया, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि टैरिफ

चीन और अमेरिका के बीच टैरिफ वॉर थमता नहीं दिख रहा है। अब अमेरिका ने चीन पर 100 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इसके साथ ही अमेरिका पहुंचने वाले चीनी सामान पर अब कुल 245 फीसदी टैरिफ लगेगा।

गतिरोध को समाप्त करने के लिए समझौता करने की जिम्मेदारी अब चीन पर है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन ने चेतावनी दी है कि राष्ट्रपति ट्रंप के नए टैरिफ के कारण अमेरिका की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा और आम लोगों को सामान की कीमतों में भारी रमम चुकानी पड़ेगी। मीडिया रिपोर्ट में उन्होंने कहा कि टैरिफ फेडरल रिजर्व के अनुमान से कहीं ज्यादा हैं, जो अर्थव्यवस्था को और गहरे संकट में धकेल सकते हैं। सर्वे में भी लोग और कारोबारी अर्थव्यवस्था की सेहत को लेकर डरे हैं। ट्रम्प प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर जांच की घोषणा से टैरिफ वॉर की चिंताएं फिर बढ़ गई हैं। ब्रिटेन के एफटीएसएफ 100 में 0.3 फीसदी, जर्मनी के डीएएक्स में 0.7 फीसदी और फ्रांस के सीएसी 40 में 0.5 फीसदी की गिरावट आई है। चीन की पहली तिमाही में 5.4 फीसदी की आर्थिक वृद्धि के बावजूद हांगकांग का हेंग सेंग 1.9 फीसदी गिरा है। शंघाई कंपोजिट 0.3 फीसदी बढ़ा। जापान का नाइस 1 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.2 फीसदी गिरा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ।

युवक पर चाकू से घातक हमला करने वाला बदमाश फरार

भोपाल, ईएमएस। अशोका गार्डन थाना इलाके में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात आपसी रंजिश को लेकर एक युवक पर चाकू से घातक हमला करने वाला बदमाश फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। जानकारी के अुनसार बबलू उर्फ रफीक अपने भाई नफीस के साथ परिहार चौराहे पर गया था। वहां पहले से वहां मौजूद मोगली उर्फ अयान से उनकी पुरानी रंजिश थी।

बजरंग दल ने थाने किया थाने का घेराव,

भोपाल, ईएमएस। निशातपुरा थाना क्षेत्र में एक कार चालक घर के बाहर सड़क किनारे खड़ी दो कार में टक्कर मारने के बाद वहॉ से फरार होने लगा। आसपास के लोगो ने उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया और उसके साथ जमकर मारपीट कर डाली। जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई और उसे इलाज के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

फटाफट खबरें

बेटी से आरोपी पिता ने की अश्लील हरकत

भोपाल, ईएमएस। निशातपुरा थाना इलाके में आरोपी पति अपनी पत्नि के साथ मारपीट कर रहा था। जब बेटी मॉ को बचाने बीच में आई तब शराब के नशे में धुत्त पिता ने उसके साथ अश्लील हरकत कर डाली। पुलिस के मुताबिक इलाके में स्थित एक कॉलोनी में रहने वाली 24 साल की युवती ने अपनी शिकायत में बताया की वह प्राइवेट काम करती है। उसका एक भाई है, वहीं पिता कोई काम नही करता। पिता को शराब पीने की आदत है, और शराब पीकर आए दिन मॉ के साथ मारपीट कर उसके साथ भी गाली-गलौच करता है। मंगलवार शाम वह नौकरी से वापस घर लौटी तो देखा कि उसका पिता शराब के नशे में मां के साथ मारपीट कर रहा है। उसने बीच में आकर अपनी मां को बचाने का प्रयास किया इस पर पिता ने उसके साथ भी मारपीट की।

शराब के लिये अड़ीबाजी

भोपाल, ईएमएस। गांधी नगर थाना इलाके में स्थित बीडीए क्वार्टर गोदरमऊ में पड़ोस में रहने वाले बदमाश ने एक परिवार पर पत्थर व डंडे से हमला कर दिया। आरोपी ने पहले घर की महिला से शराब के लिए पैसों की अड़ीबाजी की। विरोध करने पर उसने मां-बेटे पर पत्थर से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। इस दौरान बीच-बचाव करने आई बेटी व भतीजे के साथ भी आरोपी ने मारपीट की। पुलिस के अनुसार बलराम कुशवाह उर्फ बबलू (47) माली है। दो दिन पहले दोपहर करीब 12 बजे उनके पड़ोस में रहने वाले निर्भय वशंकार ने घर के सामने आकर उनकी मां तारा बाई से अड़ीबाजी करते हुए शराब पीने के लिए पैसे मांगे। मना करने पर आरोपी दुर्व्यवहार करते हुए अपशब्द कहने लगा। तारा बाई ने जब उसे अनगर्ल बातें करने से मना करते हुए वहॉ से जाने को कहा। इस बीच शोर सुनकर बलराम घर से बाहर आया और उसने भी उसका विरोध करते हुए चले जाने को कहा।

किशोर की डूबने से मौत

भोपाल, ईएमएस)। कटारा हिल्स थाना इलाके में स्थित ग्राम बर्रई में कुएं में डूबने से 14 साल के नाबालिग किशोर की मौत हो गई। बताया गया है की किशोर अपने दोस्तों के साथ यहां खेत में बने कुएं में नहाने पहुंचा था, इसी दौरान गहरे पानी में डूब गया। पुलिस के अनुसार बर्रई गांव कटारा हिल्स में रहने वाला संतोष अहिरवार पिता राजमल अहिरवार (14) सातवीं कक्षा का छात्र ता था। गर्मी के दिनो में संतोष आये दिन मोहल्ले के अन्य दोस्तो के साथ सेज यूनिवर्सिटी के सामने खेत में बने कुएं पर नहाने जाता था। कुएं के पास ही आम के पेड़ भी लगे है, बच्चे पेड़ से कच्ची केरी तोड़कर खाते और पास बने कुएं में नहाते रहते। बीती दोपहर संतोष गांव के चार दोस्तों के साथ कुएं पर नहाने गया था।

किशोरी से की अश्लील हरकतें

भोपाल, ईएमएस। चूनाभट्टी थाना इलाके में स्थित एक बस्ती में रहने वाली 16 साल की किशोरी से 17 साल के नाबालिग ने अशलील हरकते कर दी। आरोपी किशोरी का परिचित है, जिसका फायदा उठाकर वह किशोरी को सूनी गली में लेकर पहुंचा और वहां अश्लील हरकतें कर डाली। आरोप की करतूत से किशोरी गुमसुम हो गई थी। उसकी हालत देख जब मां ने उससे पूछताछ की तब उसने सारी बात बता दी। इसके बाद मां उसे लेकर थाने पहुंची जहॉ पीड़िता की काउंसिलिंग के बाद पुलिस ने आरोपी नाबालिग के खिलाफ छेड़छाड़, दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मामला कायम कर लिया है। पुलिस के अनुसार चूनाभट्टी क्षेत्र में रहने वाली 16 साल की किशोरी सातवीं कक्षा तक पढ़ी है।

तापमान में बढ़ोतरी से दिमाग के न्यूरो ट्रांसमीटर पर पड़ रहा असर

तेज धूप पैदा कर रही कई बीमारियां... अस्पतालों में बढ़े मरीज

भोपाल, ईएमएस

मौसम का मिजाज बदलने के बाद तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। मौसम के कारण सबसे ज्यादा बच्चे और बुजुर्ग बीमारी के चपेट में आ रहे हैं। इससे सीजनल बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है। यही कारण है कि अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जिसमें सर्वाधिक सर्दी, जुकाम, बुखार के अलावा पेट दर्द, शरीर दर्द, डायरिया, चर्म रोग, हार्ट सहित अन्य बीमारियों के मरीज शामिल है।

यही नहीं धूप अब सिर्फ झुलसा नहीं रही, सोचने-समझने की ताकत भी चुरा रही है। तापमान में लगातार बढ़ोतरी से दिमाग के न्यूरो ट्रांसमीटर पर असर पड़ रहा है, जिससे बायपोलर डिसऑर्डर के मेनिया केस तेजी से सामने आ रहे हैं। स्थिति यह है कि हमीदिया अस्पताल के मनोरोग विभाग की ओपीडी में ऐसे केस अप्रैल माह में 15 फीसदी तक बढ़े हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अधिक तापमान दिमाग में डोपामिन और सेरोटॉनिन जैसे न्यूरो ट्रांसमीटर को प्रभावित करता है। जिससे बायपोलर डिसऑर्डर के मेनिया फेज के केस बढ़ते हैं। इन मरीजों में तेज़ बोलना, नींद की कमी और निर्णय

फाईल फोटो

लेने की क्षमता का कमजोर होना प्रमुख लक्षणों के रूप से देखे जा रहे हैं।

बायपोलर डिसऑर्डर का धूप से सीधा कनेक्शन

बायपोलर डिसऑर्डर एक मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है। जिसमें व्यक्ति के मूड में अत्यधिक उतार चढ़ाव होता है। यह दो तरह का होता है। जिसमें पहला मेनिया है। इसमें व्यक्ति उत्साह और ऊर्जा की अधिकता महसूस करता है। यह तब होता है जब व्यक्ति तेज धूप के संपर्क में ज्यादा रहता है। जिसमें समय पर इलाज ना लिया जाए या सावधानी ना रखी जाए तो यह एक्यूट मेनिया का रूप ले सकता है। वहीं, बारिश या ठंड में जब धूप कम होती है तब इसके दूसरे रूप डिप्रेशन के मामले बढ़ते हैं। जिसमें उदासी और ऊर्जा की कमी के एपिसोड शामिल होते हैं।

बायपोलर डिसऑर्डर व एंग्जाइटी का खतरा ज्यादा

गांधी मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सा विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रुचि सोनी के अनुसार, गर्मी में दो रोग बायपोलर डिसऑर्डर और एंग्जाइटी के केस ज्यादा बढ़ते हैं। गर्मी बढ़ने पर सूर्य की रोशनी तेज होती है। जिससे न्यूरो ट्रांसमीटर पर असर पड़ता है और बायपोलर डिसॉर्डर के मरीज मेनिया फेज में चले जाते हैं। जो इस रोग के पुराने रोगी हैं, उन्हें सावधान रहना चाहिए। वे दवा समय पर खाएं, पर्याप्त नींद जरूर लें, खुद को हाइड्रेट रखें और तेज धूप में ज्यादा देर से बचें। एम्स में इंटरवेंशनल न्यूरो-साइकेट्री सर्विसेज संचालित की जा रहीं हैं। जिन मरीजों में पुरानी विधि से फायदा नहीं मिला या उनपर दवाएं असर नहीं करती हैं। तब उनके इलाज के लिए इन नई सुविधा का उपयोग किया जाता है। जिसमें से एक अल्ट्रा ब्रीफ पल्स ईसीटी है। गंभीर अवसाद, बायपोलर डिसऑर्डर समेत अन्य जटिल मानसिक बीमारियों के लिए यह एक प्रभावी उपचार है। इसमें रोगी के सिर से इलेक्ट्रोड संलग्न कर उसमें विद्युत धारा प्रवाहित करके दिमाग तक पहुंचाई जाती है।

श्री सुपार्श्वनाथ जैन मंदिर कस्तूरबा नगर विकास यात्रा पत्रिका का विमोचन

मुनि प्रमाण सागर महाराज ने दिया संपूर्ण समिति को आशीर्वाद

भोपाल, ईएमएस। मुनि प्रमाण सागर महाराज के सानिध्य में कस्तूरबा नगर मंदिर समिति द्वारा विकास यात्रा पुस्तिका का विमोचन किया गया। पुस्तिका में 2003 से 2025 तक जिनालय में हुए निरंतर धार्मिक आध्यात्मिक कार्यों के साथ निर्माण कार्यों का सचित्र उल्लेख है।

मंदिर समिति के अध्यक्ष सुनील जैनाविन ने मुनि संघ को नमोस्तु करते हुए विमोचन के साथ संपूर्ण विकास यात्रा को संक्षेप में बताया मुनि श्री के शंका समाधान कार्यक्रम में समाज की वयो वृद्ध संरक्षक सदस्य श्रीमती कुसुम जैनाविन ने इस अवसर आध्यात्मिक प्रश्न भी किया।

मंदिर समिति के पदाधिकारी के साथ संपादक मंडल के पदाधिकारी भी मौजूद थे, जिसमें सर्वश्री सुनील जैनाविन अध्यक्ष विजय कंडया कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष शील चंद्र जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष केवल चंद जैन महामंत्री अंकेश जैन सह मंत्री इमार्गदर्शक पदमचंद जैन मार्गदर्शक देवेंद्र जैन कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुड़ा मार्गदर्शन एवं मुख्यसंपादक श्रीमती कुसुम जैनाविन संरक्षक महिला मंडल श्रीमती रश्मि जैन मंत्री सशक्त महिला मंडल कस्तूरबा नगर सुरेंद्र जैन नरपत्य पत्रकार वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य अशोक बड़कुल मंत्री एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य मौजूद थे।

नर्सिंग घोटाले में बड़ी कार्रवाई, 70 स्टाफ के विरुद्ध विभागीय जांच के निर्देश, एनएसयूआई की मांग पर हुआ एक्शन

नर्सिंग घोटाले के दोषियों को बचाने की कोशिश कर रहे चिकित्सा शिक्षा आयुक्त : रवि परमार

भोपाल, ईएमएस। मध्यप्रदेश में उजागर हुए बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले में शासन ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। राज्य सरकार ने शासकीय नर्सिंग कॉलेज जीएमसी की प्राचार्य राधिका नायर को पद से हटा दिया है। साथ ही गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल के एक दर्जन से अधिक नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों समेत प्रदेशभर के लगभग 70 लोगों के विरुद्ध चिकित्सा शिक्षा विभाग ने आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच के निर्देश दिए हैं।

यह कार्रवाई एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार द्वारा लगातार की जा रही मांगों के परिणामस्वरूप हुई है। उन्होंने इस मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई , पारदर्शी जांच और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा की मांग बार-बार उठाई थी। रवि परमार ने वर्तमान चिकित्सा शिक्षा आयुक्त तरूण राठी की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा है कि, ÷घोटाले के कई आरोपी अधिकारियों और कर्मचारियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। एक वर्ष पूर्व तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा आयुक्त ने लगभग 110 नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए थे, लेकिन वर्तमान आयुक्त द्वारा केवल 70 के लगभग लोगों के विरुद्ध ही आरोप पत्र जारी किए गए हैं। यह कहीं न कहीं गंभीर दोषियों को बचाने का प्रयास प्रतीत होता है। रवि परमार ने चेतावनी दी है कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई और सभी दोषियों को सजा नहीं मिली, तो एनएसयूआई प्रदेशभर व्यापक आंदोलन करेगी। परमार ने मांग करते हुए कहा कि सभी 110 संदिग्ध नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। साथ ही चिकित्सा शिक्षा विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। परमार ने बताया कि नर्सिंग महाघोटाले में जिनको नोटिस जारी हुए थे उनमें जीएमसी के पूर्व प्राचार्य रोसी शाहुल समेत प्रोफेसर में डॉ जितेंद्र महावर , डॉ हरिसिंह मकवाना , डॉ संदीप कुमार मर्सकोले , डॉ वीरेंद्र धुर्वे वहीं नर्सिंग स्टाफ में रजनी नायर , प्रियदर्शनी डेहरिया दीपिका कुंभारे , राजश्री मालवीय शामिल हैं लेकिन इन पर अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुए ।

अतिक्रमण पर चली जेसीबी

भोपाल, ईएमएस। भोपाल के हुजूर तहसील में स्थित मुबारकपुर चौराहे पर प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई करते हुए हाइवे रोड पर शासकीय ज़मीन पर अतिक्रमण कर बनाई गई एक दर्जन दुकानों को हटाया। कार्यवाही के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति न बने इसके लिये भारी पुलिस बल मौजूद रहा। तहसीलदार नरेंद्र परमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मुबारकपुर चौराहे पर ब्रिज के नीचे लोगों ने अतिक्रमण कर रखा था। इन्हें हटाने के लिए पहले नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन इसके बाद भी दुकानें नहीं हटाई गई। गुरुवार को पुलिस और नगर निगम की टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से अतिक्रमण को हटाया गया है।

ग्लैमर ग्रुप की सखी सहेलियों द्वारा पक्षियों के लिए दाना सकोरे वितरित

भोपाल, ईएमएस। भीषण गर्मी के चलते राजधानी की अनेक सामाजिक संस्थाएं जीव दया के लिए पशु पक्षियों के दाने पानी की व्यवस्था के लिए आगे आई है। इसी के चलते राजधानी भोपाल की सक्रिय महिलाओं के समूह की सभी सखी सहेलियो द्वारा पक्षियों के लिए दाने और सकोरे वितरित किए जा रहे हैं।

ग्लैमर ग्रुप के तत्वाधान में महावीर टेकरी पर सभी सखी सहेलियां ने जीव दया की शुरुआत की। ग्रुप की प्रमुख एडमिन निशिता सिंह ने बताया भगवान महावीर जयंती और रामनवमी पर हम सभी ने निरंतर जीव दया के कार्य का फैसला किया ओर पहले सभी गो शाला जाकर गौ सेवा भी की। महावीर टेकरी पर सभी ने सामूहिक प्रार्थना कर सभी के मंगलमय जीवन की कामना की और गर्मी के मौसम में सभी पशु पक्षियों के स्वस्थ रहने के लिए विशेष प्रार्थना की। हम सभी ग्रुप की मेंबर गो सेवा और जीव दया का कार्य भी निरंतर करते हैं। हम लोग निरंतर यह अभियान चलाएंगे। ग्रुप की आयोजक होस्ट पलक मालवीय ने इस अवसर पर सभी सदस्यों को जीव दया का प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया और सभी सदस्यों का आभार माना। इस अवसर पर ग्रुप की प्रमुख निशिता सिंह के साथ पलक मालवीय, तोशिबा कोहली खरे, मोनिका यादव, अनामिका शर्मा, वंशिका तलरेजा अमिता श्रीवास्तव, माही, नरायणी, प्रतिभा यादव, आराधना श्रीवास्तव, अंशु, पलक आहूजा, गरिमा, चंद्रिका, आरती साहू, रेणु यादव सहित अनेक महिलाएं मौजूद थी।

बाइक शोरूम के वर्कशॉप में आग लगने से मचा हड़कंप

भोपाल, ईएमएस। शहर के रायसेन रोड स्थित एक बाइक शोरूम के वर्कशॉप में बुधवार रात अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। तेजी से फैलती आग ने विकराल रुप धारण कर लिया जिसकी चपेट में आने से वर्कशॉप में रखे गाड़ियों के पार्ट्स सहित अन्य सामान पूरी तरह से जल गया। जानकारी के अनुसार रात करीब पौने 9 बजे प्रभात चौराहे से थोड़ी दूरी पर अप्सरा टॉकीज के पास सुरजीत बजाज के वर्कशॉप के शटरों से धुआं निकलता देख फायर स्टेशन को जानकारी दी गई। खबर मिलते ही गोविंदपुरा, पुल बोगदा फायर स्टेशन से 4 दमकलो

4 दमकलो की मदद से 1 घंटे में पाया काबू लाखो का माल जला

सहित वॉटर टैंकर मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयास शुरु कर दिये। करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद पर आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने से कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन भीषण आग की चपेट में आकर वर्कशॉप में रखा सामान पूरी तरह जल गया।

अमोनिया गैस टैंकर और यात्री बस के बीच भिड़ंत, ड्रायवर की मौत

भोपाल, ईएमएस। राजधानी के भेल के बीएचईएल गेट नम्बर 9 के पास गुरुवार सुबह अमोनिया गैस लेकर जा रहे टैंकर और मुसाफिरो से भरी बस के बीच जोरदार भिड़त हो गई। भीषण एक्सीडेंट में बस में सवार कई यात्री घायल हो गए। हादसे में ट्रक डाइवर सहित 10 यात्री घायल हो गए जिसमें चालक सहित तीन को गंभीर चोंटे आई, बाद में इलाज के दौरान ड्रायवर की मौत हो गई। घायलो को तत्काल ही इलाज के लिये भेल क्षेत्र के कॅरियर कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यह भीषण दुर्टना सच नहीं बल्कि आपदा प्रबंधन, सीआईएसएफ और जिला प्रशासन द्वारा की गई संयुक्त अभ्यास मॉक ड्रिल थी। भोपाल में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से भोपाल सहित प्रदेश के 10 जिलों में रासायनिक औद्योगिक आपदा पर मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। प्रशासनिक अधिकारियो ने बताया कि सेंट्रल पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट के सामने आयोजित इस मॉक ड्रिल के दौरान घटना के तुरंत बाद 100 डायल को सूचना दी गई। गैस के रिसाव को रोका गया। घायलों का उपचार कराया गया, ट्रक डाइवर की मृत्यु के बाद पंचनामा बनाया गया। डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी लाखन सिंह चौधरी ने बताया कि, यह मॉक अभ्यास सिर्फ एक प्रशिक्षण प्रक्रिया है। जिसे आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया और बचाव कार्यों की तैयारी को परखने के लिए किया जा रहा है। इस दौरान जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की थी की यह केवल एक मॉक अभ्यास है, कोई वास्तविक आपदा नहीं, वे घबराएं नहीं, अभ्यास के दौरान शांति बनाए रखें और अफवाहो पर ध्यान न दें। सफलतापूर्वक पूरी की गई मॉक ड्रिल के समय महापौर मालती राय सहित नगर निगम, जिला प्रशासन, एनडीआरएम, सीआईएसएफ सहित विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

बकरे को बेरहमी से मारने वाले के खिलाफ एफआईआर

भोपाल, ईएमएस। राजधानी भोपाल में पशु क्रूरता का बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुए एक वीडियो से लोगो में आक्रोश फैल गया। इस वीडियो में एक युवक बकरे के पैर बांधकर उसे बेरहमी से पीटते हुए दिखाई दे रहा है। वायरल वीडियो कोतवाली थाना क्षेत्र के नूर महल इलाके में स्थित अल रशीद अस्पताल के पास का बताया गया था। वीडियो में नजर आ रहा है एक युवक बकरे के पैर बांधकर उसे लात-घूसों से बेरहमी से पीट रहा है। बेजुबान पशु के साथ क्रूरता का वीडियो वायरल होने पर पशु प्रेमियो में आक्रोश फैल गया। इसके बाद पशु प्रेमी हैवान बने युवक की जानकारी जुटाने के बाद कोतवाली थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस का कहना है कि कबीरा भम्बानी की शिकायत पर आरोपी आजमी के खिलाफ पशु क्रुरता की धाराओ के तहत मामला दर्ज किया गया है, वहीं घटना स्थल इमामी गेट का बताया जा रहा है। पुलिस घटना में आगे की जॉच कर रही है। आरोपी की करतूत का वीडियो थोड़ी दूरी पर स्थित अन्य मकान में रहने वाले परिवार के किसी सदस्य ने बनाकर इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था।

राहुल गांधी के खिलाफ लगाये आपत्तिजनक नारे

बीजेपी युवा मोर्चा ने राहुल और सोनिया का पुतला जलाया

भोपाल, ईएमएस

नेशनल हेराल्ड मामले का कॉग्रेस के सड़को पर उतरकर लगातार किये जा रहे विरोध के बाद अब बीजेपी भी सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रही हैं। बुधवार को जहॉ कांग्रेस ने केस की चार्ज शीट में राहुल गांधी और सोनिया गांधी का नाम आने के बाद ईडी दफ्तर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। वहीं गुरुवार को राजधानी में भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा ने नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की दबाव की नीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओ ने राहुल और सोनिया गांधी के पुतले जलाये। भाजपा नेताओ ने कहा कि कांग्रेस इस देश में भ्रम और झूठ फैलाने का प्रयास कर रही है। जानकारी के अनुसार राजधानी में कांग्रेस कार्यालय के पास भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने नेशनल हेराल्ड केस को लेकर सोनिया गांधी और राहुल

गांधी के खिलाफ प्रदर्शन कर पहले तो जमकर नारेबाजी की इसके बाद दोनो का पुतला जलाया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच मामूली गहमा-गहमी भी हुई। पहले से तैयार पुलिस प्रशासन ने भाजपा मोर्चा के कार्यकर्ताओ को कांग्रेस कार्यालय की तरफ जाने से रोकने के लिये बैरिकेटिंग की थी। कार्यकर्ता बैरिकेट पर चढ़ गए और राहुल गांधी के खिलाफ काफी आपत्तिजनक नारे लगाए। बाद में प्रदर्शनकारियो ने राहुल और सोनिया गॉधी के पूतले जलाये।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा की कांग्रेस इस देश में भ्रम और झूठ फैलाने का प्रयास कर रही है। उनके खिलाफ मामला दर्ज है, और जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं, लेकिन कांग्रेस नेता सड़क पर उतरकर जांच एजेंसियों के खिलाफ प्रदर्शन कर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस जांच एजेंसियों को टारगेट करना और उनपर दबाव बनाना बंद करे। और मामले में कोर्ट कार्यवाही का सामना करते हुए साक्ष्य दें जहॉ सारा सच सामने आ जायेगा। वहीं राहुल गॉधी के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओ द्वारा लगाये गये बेहद आपत्तिजनक और अशोभनीय नारो को लेकर कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने पलटवार करते हुए कहा कि इस तरह के भद्दे नारे किसी भी राजनीतिक दल ने शायद ही कभी किसी राष्ट्रीय नेता के खिलाफ लगाए होंगे। यह राजनीति की गिरावट है, जिसकी जनक भारतीय जनता पार्टी है, और यह नारेबाजी उसका जीवंत उदाहरण है। उन्होनें आगे कहा कि आप नारे लगाइए, प्रदर्शन कीजिए, लेकिन जब आप नारों में गालियां देने लगें। इस निर्लज्जता की जनक भारतीय जनता पार्टी है।

टैक्सी ड्रायवर को किडनेप कर जमकर पीटा

पीड़ित का आरोप, आरोपी बना रहे थे शराब तस्करी करने का दबाव, बेहोश होने तक की मारपीट

भोपाल, ईएमएस। शहर के शाहपुरा थाना इलाके में टैक्सी ड्राइवर को चार युवकों द्वारा अगवा कर बंधक बनाते हुए उसके साथ जमकर मारपीट किये जाने की घटना सामने आई है। फिरयादी का आरोप है, की आरोपियो ने उसे उसकी टैक्सी से शराब तस्करी करने को कहा था, जिसका उसने मना कर दिया।

पीड़ित का यह गंभीर आरोप भी है, कि आरोपियों ने उसके ऊपर पेशाब भी किया। फिलहाल पुलिस ने मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आगे की जॉच शुरु कर दी है। जानकारी के अनुसार रोहित नगर फेस-2 में रहने वाला देवेंद्र लोधी (33) टैक्सी चालक हैं। अपनी शिकायत में उसने बताया की उसका तरुण परोछे नामक युवक से पुरानी रजिंश चल रही है। बुधवार रात वह आकृति इंको सिटी के पास पैदल घर लौट रहे थे। उसी समय आरोपी तरुण पारछे अपने तीन

अन्य साथियों के साथ उसके पास आया। चारों ने उसके साथ गाली-गलौच शुरु कर दी और जर्बदस्ती बाइक पर बैठाकर पंचशील नगर स्थित एक कमरे पर ले गए। वहां उन्होनें उस पर अपने साथ शराब तस्करी करने का दबाव बनाया। जब देवेंद्र ने मना किया तब आरोपियों ने उसके साथ जमकर मारपीट करनी शुरु कर दी, और उसके बेहोश होने तक पीटते रहे। पीड़ित का आरोप है कि उसके ऊपर पेशाब भी किया गया।

बाढ़ एवं अतिवृष्टि की पूर्व तैयारियों के संबंध में बैठक 21 को

खरगोन, ईएमएस। बाढ़ एवं अतिवृष्टि की स्थिति से निपटने एवं पूर्व तैयारियों के संबंध में कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता में 21 अप्रैल को शाम 04 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में जिला मुख्यालय पर पदस्थ संबंधित अधिकारी बाढ़, आपदा एवं अतिवृष्टि से निपटने के लिए आवश्यक पूर्व तैयारियों के संबंध में कार्य/दायित्व से संबंधित आवश्यक जानकारी लेकर उपस्थित रहेंगे।

विचार मंथन

पेसा नियम 2022 के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक सम्पन्न

खरगोन, ईएमएस। पंचायत राज संचानायलय भोपाल द्वारा प्राप्त निर्देश के परिपालन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह के निर्देशन में पेसा जिला समन्वयक अधिकारी श्री मनीष डुडवे एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा पेसा मोबलाईजरों की पेसा गतिविधि व शासन की अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में समीक्षा कर, आवश्यक निर्देश दिए गए।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट पहुंची हिंदू-मुस्लिम की लड़ाई

केंद्र सरकार द्वारा जो वक्फ अधिनियम 2025 संसद के दोनों सदनों से पारित किया गया है इस विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई है। यह लड़ाई अब सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट में हिंदू-मुस्लिम की लड़ाई अब आर-पार की स्थिति में पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की संवैधानिक वैधता को लेकर 70 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई मुख्य न्यायाधीश और दो जजों की खंडपीठ मे शुरू हो गई है। इसमें सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को अंतरिम आदेश जारी कर सकती है। ऐसी संभावना जताई जा रही है। केंद्र सरकार ने वक्फ बिल में जिस तरह के प्रावधान किए हैं उससे स्पष्ट हो गया है, केंद्र सरकार मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना चाहती है। उनकी दान की हुई संपत्ति पर सरकार हक जताना चाहती है। वक्फ संपत्ति पर सरकार अपने हिसाब से नियंत्रण करना चाहती है। मुसलमानो के धार्मिक क्रिया-कलापों पर शासन हस्तक्षेप कर मुसलमानो पर अंकुश लगाना चाहती है। यह संशोधन से स्पष्ट है। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देशभर के मुसलमानों के साथ-साथ अन्य अल्पसंख्यक सामुदायों में भी हो रही है।

पिछले 11 वर्षों से मुसलमानो के साथ में जो भेदभाव केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किया जा रहा है, वक्फ अधिनियम के रूप में सामने आ गया है। अभी तक मुसलमान कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे थे। वह किसी भी किस्म का विरोध नहीं कर रहे थे। इस अधिनियम ने उन सब को एकजुट करके लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में जैसे ही इस मामले की सुनवाई शुरू हुई। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने जिस तरह से वक्फ बोर्ड में हिंदुओं की नियुक्ति की जा रही है। क्या ऐसी ही नियुक्ति अन्य गैर मुस्लिम बोर्ड में की जा सकती है। हिंदू मंदिरों और हिंदू बोर्ड में गैर हिंदुओं की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किये। 13 वीं, 14वीं शताब्दी और सैकड़ो वर्ष पुरानी मस्जिदें और धार्मिक स्थल हैं उसके रजिस्ट्रेशन को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किये। केंद्र सरकार के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट में जवाब नहीं दे पाए। संविधान में अल्पसंख्यकों को तथा सभी नागरिकों को अपने धर्म को पालन करने की जो स्वतंत्रता दी गई है। नागरिक अधिकार भी इस संसोधन में बाधित हो रहे हैं। 5 साल का प्रैक्टिशनर मुसलमान ही वक्फ मे दान कर सकता है। इस तरह के सवालों का जवाब सालिस्टर जनरल सुप्रीम कोर्ट में नहीं दे पाए। पिछले कुछ वर्षों से न्यायपालिका के ऊपर यह आरोप लगते रहे हैं, वह सरकार के दबाव पर काम करती है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका को कसौटी पर कसा जाना है। संविधान में बिना संशोधन किए हुए जिस तरह से वक्फ बिल के द्वारा करोड़ों मुसलमानो के धार्मिक क्रियाकलाप और इबादत करने को लेकर सरकार जो हस्तक्षेप कर रही है उस मामले में सुप्रीम कोर्ट क्या निर्णय करती है। यह महत्वपूर्ण हो गया है। निश्चित रूप से संविधान के अनुसार सुप्रीम कोर्ट निर्णय देने में आनाकानी करती है। ऐसी स्थिति में यह माना जाएगा की संवैधानिक व्यवस्था की आड़ में असंवैधानिक कार्यों को न्यायपालिका संरक्षित और बढ़ावा देने का काम कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में इस बार विपक्ष के राजनीतिक दलों, 6 राज्य सरकारों तथा मुस्लिम संगठनों के साथ ही साथ अन्य समुदाय के लोगों व संगठनों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। भारत में हिंदू-मुसलमानो के बीच आर-पार की लड़ाई के रूप में देखा जाना चाहिए। भारतीय मुसलमानो को संविधान पर भरोसा था। धार्मिक स्वतंत्रता थी। जिस तरह का हस्तक्षेप कानून की आड़ में किया जा रहा है इसे कोई जिंदा कौम स्वीकार नहीं कर सकती है। भारत में अभी मुस्लिम भेड़ की तरह नहीं हांके जा सकते हैं। इतना तय है। सरकार विपक्षी दलों को भी इसी तरीके से दबाने का काम कर रही है। इस मामले में अब विपक्षी दल भी खुलकर सामने आ गए हैं। वह भी अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने को मजबूर हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट यदि सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए संविधान के अनुसार न्याय देने में सक्षम हुई तो इससे न्यायपालिका के प्रति जो लोगों में अविश्वास बढ़ रहा था, वह अविश्वास खत्म होगा। न्यायपालिका और संविधान के प्रति एक बार फिर सभी का विश्वास जागृत होगा। ऐसी आशा सुप्रीम कोर्ट से की जा सकती है।

– सनत जैन

राज काज

दिल्ली के मुख्यमंत्री पति चर्चाओं में

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता हैं। रेखा गुप्ता पढ़ी-लिखी स्नातक महिला हैं। वह लंबे समय तक पार्षद रही हैं। छात्र नेता भी रही हैं। जब से वह मुख्यमंत्री बनी हैं। अधिकारियों की बैठकों में उनके पति मुकेश गुप्ता भी नजर आ रहे हैं। वह अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने विगत दिनों एक फोटो जारी की है ।जिसमें मुख्यमंत्री के पति मुकेश गुप्ता अधिकारियों की बैठक में भाग ले रहे हैं ।अभी तक देश में पंच, सरपंच पति, विधायक पति कामकाज में अपनी पत्नी की जगह लेते थे। अब मुख्यमंत्री पति की भूमिका देखने को मिल रही है। भाजपा पहले दूसरों को कटघरे में खड़ा करती थी। अब उसी को जायज ठहरा रही है।

कांग्रेस का न्याय पथ संकल्प

भाजपा की तरह अब कांग्रेस भी भारी भरकम नारे और पंच लाइन बनाना सीख गई है। अहमदाबाद के अधिवेशन में कांग्रेस ने न्याय पथ संकल्प का प्रस्ताव पारित किया है। यह नारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम मतदाताओं को कांग्रेस से जोड़ेगा। इसी तरह से कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान चलाने का ऐलान किया है। इस अभियान के माध्यम से राज्यों में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने का अभियान चलाया जाएगा ।गांव-गांव में संगठन बनाने की तैयारी कर ली गई है ।अहमदाबाद के अधिवेशन में नूतन कांग्रेस-नूतन गुजरात जैसे नारे कांग्रेस ने तैयार किए हैं ।कांग्रेस बीजेपी को हर तरह से टक्कर देने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस के नेता अब भाजपा का मुकाबला करने के लिए खुशी के मैदान में जाकर चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं।

जीजा से मुकाबले के लिए साले को मैदान में उतारा कांग्रेस ने

बिहार विधानसभा चुनाव के 6 महीने पहले कांग्रेस ने अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए हर संभव प्रयास शुरू कर दिए हैं ।कांग्रेस पार्टी ने स्वर्ण नेताओं के स्थान पर इस बार पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों पर ध्यान केंद्रित किया है। कांग्रेस ने अहमदाबाद अधिवेशन में पप्पू यादव को बुलाया था। निश्चित रूप से जीजा लालू यादव और भांजे तेजस्वी को बुरा लगा होगा ।बिहार में लालू प्रसाद के करीबी अखिलेश प्रसाद सिंह को हटाकर राजेश राम को अध्यक्ष बना दिया है। कन्हैया कुमार और पप्पू यादव ने जिस तरह से विधानसभा चुनाव की तैयारी की है। प्रभाव वाले क्षेत्रों में संगठन तैयार करने का काम किया है ।उससे कांग्रेस मुख्य लड़ाई में आ गई है ।ऐसा लोग कहने लगे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव में लालू यादव के साथ बराबरी से मोलभाव करने की स्थिति में कांग्रेस आ गई है।

ईसा मसीह : अहिंसा, करुणा और सत्य के अमर प्रतीक

गुड फ्राइडे पर विशेष

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान, उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में 'गुड फ्राइडे' मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 18 अप्रैल को मनाया जा रहा है।

योगेश कुमार गोयाल

ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है। कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को 'राख का बुधवार' कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं।

ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सदुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे। ईसा मसीह परिवर्तन के पक्षधर थे और उन्होंने मानव प्रेम की सीमा नहीं बांधी बल्कि अपने बलिदान से उसे आत्मकेन्द्रित एवं स्वार्थ से परे बताया। पृथ्वी पर बढ़ रहे पापों के लिए बलिदान देकर ईसा ने निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। ईसाई धार्मिक मान्यताओं के अनुसार क्रॉस पर लटकाए जाने के करीब तीन दिन बाद रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो गए थे, इसीलिए गुड फ्राइडे के बाद आने वाले रविवार को 'ईस्टर संडे' के नाम से जाना जाता है। पुनः जीवित हो उठने के बाद ईसा ने अपने शिष्यों के साथ 40 दिनों तक रहकर हजारों लोगों को दर्शन दिए। ईसा मसीह के जी उठने की याद में ही दुनियाभर में ईसाई धर्म के अनुयायी 'ईस्टर संडे' मनाते हैं। ईस्टर की आराधना उषाकाल में ईसाई महिलाओं द्वारा की जाती है, क्योंकि माना जाता है कि यीशु का पुनरुत्थान इसी वक्त हुआ था और उन्हें सबसे पहले मरियम मदीलिनी नामक महिला ने देखा था तथा अन्य महिलाओं को इस बारे में बताया था।

देश के दिल मध्यप्रदेश की वैभव हैं पुरा सम्पदा

विश्व धरोहर दिवस पर विशेष

देश के हृदय में बसा है मध्यप्रदेश। यहाँ की सांस्कृतिक, सामाजिक तथा पुरातत्वीय पृष्ठभूमि गौरवशाली है। प्राचीन धरोहर विश्व भर में प्रसिद्ध हैं। देश में यह अपनी तरह का इकलौता प्रदेश है जहाँ घने वन झूमते हुए पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, वहीं दूसरी तरफ मंडला से झाबुआ तक पुरा महत्व की इमारतें लोगों को मोहित करती हैं। हमारे लिये गौरव की बात है कि विश्व की अमूल्य पुरातत्व धरोहरों में भारत के जो सोलह स्मारक हैं उनमें से दो साँची और खजुराहो मध्यप्रदेश में हैं। अपने गौरवशाली अतीत को दर्शाते हुए यह स्मारक विश्व भर में अपनी पहचान बना चुकें हैं।

निलय श्रीवास्तव

यहाँ बता दें कि विदेशी पर्यटकों के आर्कषण के प्रमुख केन्द्र बिन्दु खजुराहों के कलात्मक मंदिर और धार्मिक स्थल ओरछा हैं। खजुराहो एक ऐसा दार्शनिक स्थल है जो विदेशी पर्यटकों में निरंतर लोकप्रिय हो रहा है। खजुराहो के संरक्षण तथा विकास के लिए सर्वप्रथम सन् 1904 में काम शुरू हुआ था। खजुराहो के मंदिरों की खोज, जीर्णोद्धार, संरक्षण आदि के लिए सन् 1927 तक काम चला। अनेक मंदिर जो टूट-फूटकर नष्ट हो चुके थे, सैकड़ों मूर्तियाँ जमीन में दबी हुयीं बिखरी थीं, उन्हें पुरातत्ववेत्ताओं ने व्यवस्थित कर पुनः मंदिरों में स्थापित कर दिया। इसके बाद खजुराहो सन् 1953 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन का केन्द्र बन गया और विश्व में प्रसिद्धि प्राप्त कर ली। खजुराहो की ही तरह साँची भी पुरातात्विक तथा ऐतिहासिक दृष्टि से प्रमुखता पा चुका है। साँची एक ऐसा प्राचीन और दार्शनिक स्थल है जिसके कारण विश्व के कई देशों में मध्यप्रदेश को पहचान मिली और इसे देखने पर्यटक यहाँ आये। साँची के बौद्ध स्तूप विशेषतः दर्शनीय हैं। पर्यटक इन्हें देखकर उत्साहित होते हैं तथा इनके चित्र यादगार के रूप में अपने साथ ले जाते हैं। साँची के बौद्ध स्तूपों की देखरेख प्रमुखता से की जाती है तथा प्रयास किया जाता है कि देश तथा विदेश से आने वाले दर्शनार्थियों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। खजुराहो और सांची के बाद विदेशी पर्यटकों की पसंद ओरछा है। पर्यटन और तीर्थ स्थल ओरछा एक छोटा सा गांव है परन्तु उसकी ऐतिहासिक कीर्ति किवदंतियों का कोई ओर छोर नहीं है। चार शताब्दियों तक ओरछा के प्रतापी राजवंश का डंका मध्य भारत में बजता रहा था। शक्ति, संपदा, कला और गरिमामय वैभवशाली स्वरुप लिये हुए यह नगर इतिहास की करवट से खंडहरों में बदल गया था। लेकिन वही ओरछा आज पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है क्योंकि शेष बचे महल और मंदिर अपने इतिहास, कला और शिल्प सौंदर्य से दर्शनों के लिये मौजूद हैं।

अपने गौरवशाली अतीत को उजागर करने वाला मंदसौर जिले में एक स्थान है हिंगलाजगढ़। यहाँ का पुरातात्विक वैभव लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। हिंगलाजगढ़ में परमारकालीन शिल्प कलाकृतियों का अद्भुत सौंदर्यशाली खजाना बिखरा पड़ा था। यहाँ के अवशेषों पर कलात्मक मूर्तियों के विशाल भण्डार से यह स्पष्ट है कि कभी यह वैभवशाली नगर रहा होगा। कला का इतना विशाल खजाना शताब्दियों तक घने जंगलों के बीच छिपा रहा और सन् 1978 में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के प्रयासों से इन्हें खोज निकाला गया। तब से ही इन्हें संरक्षित तथा सुरक्षित रखा गया है। पुरातत्व विभाग द्वारा गहन पुरातत्वीय सर्वेक्षण कर समय-समय पर दुर्लभ, अज्ञात ऐतिहासिक महत्व के स्मारकों की नवीन खोजें की जाती रही हैं। इसी श्रृंखला में शिवपुरी जिले के पिपरोदा गांव में विष्णु देव और शिव मंदिर तथा राजपुर गांव के बौद्ध स्तूप कठियामठ को संरक्षित कर उसके रखरखाव पर ध्यान दिया जा रहा है। खोज से पता चला है कि यह मंदिर 9वीं शतीं ई में प्रतिहार काल में बनाये गये थे। विष्णु एवं शिव मंदिरों के सिरदल भाग के ऊपर उकेरे गए ब्रह्मा, विष्णु एवं शिव से स्पष्ट हो जाता है कि यह मंदिर किस देव को समर्पित किया गया है।

सुविचार

सही स्थान पर बोया गया सुकर्म का बीज ही समय आने पर महान फल देता है। **– कथा सरित्सागर**

जो सत्य विषय हैं वे तो सबमें एक से हैं झगड़ा झूठे विषयों में होता है।

– सत्यार्थ प्रकाश

प्रसंग

सदा निर्भय रहें

अंग्रेजों ने समस्त भारत में राज्य विस्तार करने के साथ ही इसे स्थायी बनाने के लिए ईसाई धर्म प्रचार को प्रश्रय देना प्रारम्भ किया। इधर देश में भी जागृति आयी। वैदिक धर्म को पुनः जीवित करने के लिए भी अनेक संस्थाओं ने प्रचार अभियान चलाया। इस क्रम में आर्य समाजी नेता कुंवर सुखलाल आर्य पेशावर पहुंचे। उन्होंने अंग्रेजों की कूटनीति एवं परतन्त्रता से मुक्ति का आहवान किया और ईसाई धर्म के विरूद्ध आवाज उठयी। उन्होंने स्वधर्म को सर्वश्रेष्ठ घोषित करते हुए ईसाई धर्म- प्रचारकों की घिनौनी तरकीबों की ओर सबका ध्यान आकर्षित किया और अपने धर्म पर अटल रहने और लोभ लालच में पड़कर या स्वार्थ की सिद्धी के लिए धर्मान्तरण को पाप बतलाया। अंग्रेजी सरकार यह कैसे सहन करती? तुरन्त उन्हें बन्दी बना लिया गया और पेशावर की अदालत में पेश किया गया, जहां उन पर सरकार के विरूद्ध बोलने के लिए मुकदमा चला। मुकदमे के दौरान अंग्रेज जज ने सुखलाल आर्य से पूछा- तुम कहाँ के रहने वाले हो? सुखलाल आर्य ने कड़कर कहा- मैं उत्तर प्रदेश का निवासी हूं। तो तुम उत्तर प्रदेश से यहाँ पेशावर में क्या करने आये हो? मैं यहाँ वैदिक धर्म का प्रचार करने के लिए आया हूं? जज ने व्यंग्य करते हुए पूछा- धर्म प्रचार करने के लिए तुम इतनी दूर क्यों आये? क्या उत्तर प्रदेश में प्रचार नहीं कर सकते थे? सुखलाल आर्य ने तपाक से उत्तर दिया- व्यापार करने के लिए सात समुन्दर पार करके तुम यहाँ क्यों आये? क्या इंगलैंड में व्यापार नहीं कर सकते थे ? वे क्रोध से काँप रहे थे। अंग्रेज जज चुप हो गया। अदालत में खड़े लोगों ने सोचा अब तो इन्हें फाँसी से कोई नहीं बचा सकता, लेकिन जज इनके निर्भीक स्वभाव से प्रभावित हो गया।

जरा हटके

कृत्रिम रंग गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं बच्चों के स्वास्थ्य पर

लंदन (ईएमएस)। बच्चों को रंग-बिरंगे उत्पाद जितने सुंदर और स्वादिष्ट दिखते हैं, ये उनके लिए उतने ही खतरनाक भी हो सकते हैं। इन प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल किए जाने वाले आर्टिफिशियल फूड कलर यानी कृत्रिम रंग बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो इन उत्पादों में रेड 40, येलो 5,येलो6 और ब्ल्यू 1 जैसे सिंथेटिक रंगों का इस्तेमाल किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हैं। ये रंग बच्चों में एलर्जी, त्वचा रोग, अस्थमा, पेट दर्द, नींद की कमी, डायरिया जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। इतना ही नहीं, कुछ मामलों में ये रंग बच्चों के ब्रेन फंक्शन और व्यवहार को भी प्रभावित करते हैं। बच्चों में अचानक चिड़चिड़ापन, ध्यान की कमी या गुस्से में बदलाव जैसे लक्षण देखे जा सकते हैं, जिसे कई बार माता-पिता सामान्य व्यवहार मानकर नज़रअंदाज़ कर देते हैं।

इन खाद्य पदार्थों में मौजूद रंग लंबे समय तक शरीर में रहकर धीरे-धीरे असर करते हैं। ऐसे में इनसे जुड़ी समस्याएं धीरे-धीरे उभरती हैं और माता-पिता को इसका पता तब चलता है जब स्थिति गंभीर हो जाती है। इसलिए सबसे पहले जरूरी है कि बाजार से किसी भी पैक्ड फूड को खरीदते समय उसका लेबल जरूर पढ़ें। अगर उसमें ई102, ई110, ई129 जैसे कोड या आर्टिफिशियल कलर का जिक्र हो, तो उसे बच्चों को देने से बचें। बच्चों को ताजा, घर का बना खाना दें जिसमें प्राकृतिक रंग और पोषण दोनों मौजूद हों। घर में भी आकर्षक रंगों वाला खाना चुकंदर, अनार, पालक, हल्दी, केसर, जामुन और ब्लूबेरी जैसी चीजों से तैयार किया जा सकता है।

इससे ना सिर्फ बच्चों को रंग-बिरंगा स्वाद मिलेगा बल्कि उनके शरीर को जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स भी मिलेंगे। बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए यह बेहद जरूरी है कि अभिभावक सजग रहें और प्राकृतिक विकल्पों को प्राथमिकता दें। रंगों की इस दौड़ में बच्चों की सेहत को दांव पर ना लगने दें। मालूम हो कि बाजार में मिलने वाले रंग-बिरंगे खाने-पीने के उत्पाद जैसे कैंडी, चॉकलेट, जूस और स्नैक्स बच्चों को बेहद आकर्षित करते हैं। इनका स्वाद, रंग और पैकेजिंग इतनी लुभावनी होती है कि बच्चे इन्हें देखकर खुद को रोक नहीं पाते।

फोटो ऑफ द डे

लंदन में सुप्रीम कोर्ट के बाहर जैंडर रिकगनिशन को लेकर आये फैसले के बाद लोगों से बात करते हुए सुसन स्मिथ और मेरियन केलडर। (फोटो-ईएमएस)

व्यंग्य

दीपक की व्यथा-कथा

– उमा शंकर चतुर्वेदी

जिसे देखिए वही दीपक जलाने पर उतारू दिखाई देता है। दीपावली पर तो दियों की शामत ही आ जाती है, जब उन्हें पंक्तिबद्ध प्रज्वलित किया जाता है। कोई सुराती अर्थात सोलह दिये, कोई पच्चीस, कोई पचास, कोई सौ, तो कोई क़तारों की क़तारें जलाता है। जहाँ देखिए, वहाँ दीपक ही दीपक और दीपों की लड़ियाँ। ठीक भी है, बेचारा ग़रीब और मिट्टी का छोटा-सा दिया जो ठहरा, इसलिए जलता ही है। कोई किसी हौज या बड़ी टंकी या मिट्टी की नांद को क्यों नहीं जलाता? अपने वहाँ तो जो सीधा-साधा हो और पकड़ में आ जाए, वही हमेशा पकड़ा जाता है। दीपक तो बेचारा अनादिकाल से जलता आ रहा है। कई धार्मिक स्थानों पर तो अखंड ज्योति के रूप में अखंड रूप से जलता रहता है। दिये की नियति ही है जलना और दिन-रात जलना। कभी किसी ने बेचारे दिये से पूछा - कि हाय रे दिये। कैसे सदा जलते रहते हो? वह तो माटी का छोटा सा दिया है, सो आ गया हमारी पकड़ में और फिर हम जलाते आ रहे हैं उसे अनंतकाल से।

अपना तो थोड़ी देर के लिए भी दिल जलता है, तो आफ़त-सी आ जाती है। ग़ुस्से में शरीर जलता है, तो हम बेफ़ाम हो जाते हैं। बुखार में जब हमारा तन जलता है, तो हम बकबक करने लगते हैं। किसी का घर जलता है, तो दूसरा घर बन जाता है। ग़रीब से ग़रीब व्यक्ति का घर या माल असबाब जलता है, तो सरकार भी क्षतिपूर्ति कर देती है। बहुएँ जलती हैं, तो दूसरी आ जाती हैं, बहुओं की कमी नहीं पड़ती है। दीपक तो जलता ही रहता है, सदियों से जलता चला आ रहा है। किसी ने सोचा ही नहीं कि उसे छोड़ और किसी को जलाएँ।

आजकल बिजली के लट्टू हैं, फिर भी दिये का संग नहीं छूटता है। बिजली की आँख मिचौनी में दिया ही हमारा संग देता है। पूजा में भले ही लाख बल्बों की मालाएँ हों, लेकिन दिये बिना पूजा नहीं होती है। अब ये कौन-सी बात हुई कि पूजा किसी और की होती है और तन जलता है किसी और का। दूसरे को जलाकर कौन-सी पूजा? आस्था और विश्वास का भी क्या कहें? दीपक से ही पूजा होती है और दीपक से ही आरती।

दीपक अपना तन जलाकर प्रकाश देता है, लेकिन हम बदनामी भी उसी की करते हैं। कभी दीपक से अनायास कुछ हो गया, तो हम झट से कह उठते हैं कि घर में ही आग लग गई घर के चिराग से। अब असावधानी आप करें और दोषारोपण करें दिये पर, यह भी कोई बात हुई? कुल दीपक अपनी गृहलक्ष्मी को साक्षात और सरे आम जला रहे हैं, तो कोई बात नहीं और उधर दीपक से कुछ हो गया, तो उसकी कहावत गढ़ ली।

दीपक के पीछे सबसे अधिक पंडित और महिलाएँ पड़ी रहती हैं। पंडितगण तो हर अच्छे और हर बुरे काम में दीपक जला बैठते हैं। भगवान के सम्मुख भी दीपक जलाया जाता है और मैयत पर भी वह जलता है। दीपक बेचारा समभाव से जलता है। महिलाएँ भी दीपों को सर्वाधिक परेशान करती हैं। घर में, बाहर, तुलसी चौरे पर, मंदिर में, सब जगह दीप जलाती हैं। दीपक जलाकर मन्नतें माँगती हैं।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन के तीन सूत्र

सुखी, स्वाभिमान एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के तीन सूत्र हैं- उपयोगिता, भावना एवं कर्तव्य। उपयोगिता संबंधों को प्रगाढ़ करती है, भावना परिवार को मजबूत करती है और कर्तव्य घर, परिवार, समाज में एकता एवं समन्वय स्थापित करते हैं। उक्त प्रेरक विचार मुनि पुलकसागर महाराज ने प्रवचन माला में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि उपयोगिता के बदले उपयोगिता, भावना के बदले भावना चाहिए, लेकिन कर्तव्य के बदले कुछ नहीं चाहिए। कर्तव्य तो निस्वार्थ भावना से किए जाते हैं। छोटी-सी भूल सदियों की सजा बन जाती है, इसलिए हमें जीवन सही और व्यवस्थित तरीके से जीना चाहिए। जिन माँ-बाप ने हमें खून दिया उन्हें बुढ़ापे में खून के आँसू बहाने पर मजबूर करना कायरता है। जिन्होंने अपने खून से हमे बड़ा किया उनके लिए खून बहा देना मानवता है, जबकि असहाय जीवों का खून बहा देना हिंसा और अमानवीयता है।

भगवान राम ने कर्तव्य की खातिर सौतेली माँ के वचनों को स्वीकार कर लिया, क्या आप भी इतने कर्तव्यनिष्ठ होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं? अगर नहीं तो आपका जीवन सार्थक नहीं है। श्रवण कुमार अपने पुत्र होने का कर्तव्य बगैर किसी तर्क के निभाता है। कर्तव्य के पालन में तर्क नहीं समर्पण की जरूरत पड़ती है।

स्वास्थ्य

सही खानपान और दिनचर्या से गर्मी में रह सकते हैं फिट

नई दिल्ली (ईएमएस)। गर्मी के मौसम में न केवल बाहरी त्वचा प्रभावित होती है, बल्कि शरीर के अंदरूनी हिस्से पर भी असर पड़ता है। गर्मी का सीजन शुरू होते ही तेज धूप, उमस और बढ़ता तापमान मुश्किलें बढ़ाने लगता है। ऐसी स्थिति में स्वस्थ रहना बेहद जरूरी हो जाता है, ताकि डिहाइड्रेशन, थकान और हीट स्ट्रोक जैसी परेशानियों से बचा जा सके। सही खानपान और दिनचर्या को अपनाकर गर्मी में शरीर को अंदर और बाहर से फिट रखा जा सकता है। इस मौसम में कई तरह के फल और सब्जियां उगती हैं, जो पोषण का बेहतरीन स्रोत बन सकती हैं। जामुन, तरबूज, खीरा, टमाटर और पत्तेदार साग जैसे खाद्य पदार्थ न केवल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं, बल्कि इनमें मौजूद विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट इम्यूनिटी को भी मजबूत करते हैं। इसके अलावा, शरीर को पर्याप्त पानी मिलना भी जरूरी है, क्योंकि गर्मी और उमस के कारण पसीना अधिक निकलता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है। दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद आवश्यक है। घर से बाहर जाते समय पानी की बोतल साथ रखें, ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे। नारियल पानी, ताजा जूस, छाछ और फ्लेवर्ड पानी को भी अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। यह न केवल शरीर को ठंडा रखेगा, बल्कि ऊर्जा भी प्रदान करेगा।

हीरो मोटोकॉर्प ने चार संयंत्रों में उत्पादन रोका

नई दिल्ली (ईएमएस)। हीरो मोटोकॉर्प ने अल्पकालिक आपूर्ति सरेखण के लिए 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक अपने चार संयंत्रों में उत्पादन रोक दिया है। कंपनी इस अवधि में सुविधाओं में रखरखाव गतिविधियों को भी अंजाम देगी। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा कि हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि हमारे चार विनिर्माण संयंत्रों धारूहेड़ा, गुरुग्राम, हरिद्वार और नीमराणा में उत्पादन 17 से 19 अप्रैल 2025 तक रोक दिया जाएगा।

व्यापार

झींगा निर्यातकों ने अमेरिकी झींगा पर डंपिंग का विरोध किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय झींगा निर्यातकों ने अमेरिका के झींगा पर डंपिंग रोधी और प्रतिपूरक शुल्कों की समीक्षा के खिलाफ विरोध जताया है। अगले महीने समीक्षा की आशंका जताते हुए, निर्यातकों ने सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। इन शुल्कों की गणना करने का अमेरिका का फार्मूला गलत बताया गया है। कोलकाता स्थित समुद्री खाद्य निर्यातक एवं मेगा मोडा के प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह शुल्कों की गणना में अंतरिक्ष है।

फटाफट खबरें

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.39 पर बंद हुआ। आज सुबह घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी पूंजी के प्रवाह तथा अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के बीच रुपया लगातार चौथे कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ और शुरुआती कारोबार में 10 पैसे की बढ़त के साथ 85.54 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि शेयर बाजार में सुस्त धारणा और कच्चे तेल की कीमतों में मामूली सुधार से स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.48 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.54 पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दर्शाता है। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 फीसदी की बढ़त के साथ 99.28 पर रहा।

जेनसोल इंजीनियरिंग के स्वतंत्र निदेशक मेनन ने पद छोड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोष के दुरुपयोग और संचालन में चूक होने की वजह से बाजार नियामक सेबी की जांच के दायरे में आई 2 संकटग्रस्त कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग से उसके स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने की जानकारी दी है। कंपनी के प्रवर्तकों में से एक अनमोल सिंह जग्गी को भेजे इस्तीफे में मेनन ने लिखा कि अन्य व्यवसायों के पूंजीगत व्यय को वित्तपोषित करने के लिए जीईएल के बहीखाते तथा जीईएल द्वारा इतनी ऊंची ऋण लागत पर स्थिरता बनाए रखने को लेकर चिंता बढ़ रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के धन की हेराफेरी और कामकाज संबंधी खामियों के कारण जेनसोल इंजीनियरिंग और उसके प्रवर्तकों अनमोल सिंह जग्गी तथा पुनीत सिंह जग्गी को अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित करने की पृष्ठभूमि में मेनन ने इस्तीफा दिया है।

निफ्टी भी अंत में 414.45 अंक करीब 1.77फीसदी की बढ़त के साथ ही 23,851.65 पर बंद

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 1508 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई पर दूसरे सत्र में इसमें तेजी आने लगी जो अंत तक बनी रही। इसी के साथ ही दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1508.91 अंक करीब 1.96 फीसदी बढ़कर 78,553.20 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का का निफ्टी भी अंत में 414.45 अंक करीब 1.77फीसदी की बढ़त के साथ ही 23,851.65 पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार इसमें तेजी का कारण पिछले दो कारोबारी सत्र में विदेशी संस्थागत निवेशकों की जबरदस्त खरीदी भी रही है। पिछले दो दिनों में ही उन्होंने 10,000 करोड़ के शेयर खरीदे हैं। जिससे भी बाजार को बल मिला। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिका के शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसका प्रभाव एशियाई बाजारों और भारत पर भी देखने में आया। तकनीकी शेयरों में बिकवाली से अमेरिका में एनविडिया के शेयरों में गिरावट रही। वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने व्यापार टैरिफ को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि मुद्रास्फीति पर काबू पाने के साथ-साथ आर्थिक वृद्धि को बनाए रखना कठिन हो सकता है। अमेरिकी शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.73 फीसदी नीचे आकर 39,669.39 पर बंद हुआ। वहीं, एसएंडपी 500 में 2.24 फीसदी की गिरावट आई और यह 5,275.70 पर बंद हुआ। टेक-हेवी नैस्डैक कंपोजिट 3.07फीसदी नीचे आकर 16,307.16 पर पहुंच गया। सुबह फ्यूचर्स शेयरों में हल्की तेजी रही। डाउ जोन्स फ्यूचर्स में 0.40 फीसदी, एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.47फीसदी और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 0.56फीसदी की तेजी रही। एशियाई बाजारों की बात करें तो इसमें मिला-जुला कारोबार हुआहै। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.7 फीसदी ऊपर आया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.45फीसदी बढ़ा। वहीं ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स में 0.28 फी तेजी रही। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.42 फीसदी बढ़ा जबकि चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.19 फीसदी गिरा। वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह टैरिफ संबंधी चिंताओं के बीच अमेरिकी शेयर बाजार में कमजोर रुख के चलते भारतीय बाजार की भी गिरावट के साथ शुरुआत हुई।

सोना पहली बार 95 हजार पार, बना नया रिकॉर्ड, चांदी में आई गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)।

देश में सोने की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। 16 अप्रैल को सोने ने नया इतिहास रच दिया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 628 रूपये बढ़कर 95,207 रूपये हो गई है। यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले यह 94,579 रूपये थी। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है और यह 936 रूपये गिरकर 95,639 रूपये प्रति किलो पर पहुंच गई है।

सोने की तेजी के तीन बड़े कारण

अमेरिका-चीन टैरिफ वॉर:- वैश्विक व्यापार तनाव से मंदी की आशंका बढ़ी है, जिससे निवेशक सोने को सुरक्षित विकल्प मानकर इसमें निवेश कर रहे हैं।

सोने-चांदी की बढ़त

सोना:-1 जनवरी 2025 को 24 कैरेट सोना 76,162 रूपये प्रति 10 ग्राम था, जो अब 95,207 रूपये हो गया है। यानी अब तक 19,045 रूपये की बढ़त हुई है।
चांदी:- इस साल चांदी 86,017 रूपये प्रति किलो से बढ़कर 95,639 रूपये प्रति किलो तक पहुंच चुकी है। यानी 9,622 रूपये की तेजी। हालांकि, 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई भी बनाया था।

साल के अंत तक 1.10 लाख रूपये तक जा सकता है सोना

गोल्डमैन सैक्स जैसी अंतरराष्ट्रीय निवेश बैंक का अनुमान है कि ट्रेड वॉर और मंदी की आशंका के बीच सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक जा सकता है। ऐसे में भारत में इसकी कीमत 10 ग्राम के लिए 1.10 लाख रूपये तक पहुंच सकती है।

रुपए की कमजोरी:- डॉलर के मुकाबले रुपया लगभग 4 प्रतिशत कमजोर हुआ है, जिससे सोने का आयात महंगा हो गया है और कीमतें बढ़ गई हैं।

शादी का सीजन:- आगामी विवाह समारोहों के चलते सोने की गहनों की मांग बढ़ी है। ऊंची कीमतों के बावजूद लोग इसे समृद्धि और निवेश के रूप में खरीद रहे हैं।

अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रहा है भारत

भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है

नई दिल्ली (ईएमएस)।

राष्ट्रीय रसायन एवं पेट्रोरसायन सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा ने देश के रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन करने की सरकारी पहल की घोषणा की है। निवेदिता शुक्ला ने एक विचार-विमर्श सत्र में बताया कि यह निर्णय उद्योग जगत के साथ संवाद स्थापित करने के लिए किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अतिरिक्त 26 प्रतिशत के जवाबी शुल्क लागू करने का फैसला लिया था, जिसे अब नौ अप्रैल को 90 दिन के लिए टाल दिया गया है। इसके बावजूद, 10 प्रतिशत का मूल शुल्क अब भी लागू है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है। इसका अंतरराष्ट्रीय निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 5.7 अरब अमेरिकी डॉलर था। निवेदिता शुक्ला ने कहा कि सरकार उद्योग जगत के साथ विचार-विमर्श के बाद उपाय निर्धारित करेगी और उद्योग के स्थिति का समीक्षा करेगी। इस नए विकल्प का अनुसरण करते हुए, भारतीय रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग अपने व्यापारिक प्रवृत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

यश बैंक को 244 करोड़ की इनकम टैक्स डिमांड का नोटिस

मुंबई (ईएमएस)। यश बैंक को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 244.20 करोड़ रुपए का अतिरिक्त टैक्स डिमांड का नोटिस मिला है। यह डिमांड 2016-17 के लिए किए गए असेसमेंट और पुनर्मूल्यांकन के बाद आई है। बैंक ने कहा है कि वह इस टैक्स डिमांड को चुनौती देगा और इसके खिलाफ अपील करेगा।

बैंक को दिसंबर 2018 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 2016-17 के लिए एक टैक्स असेसमेंट ऑर्डर मिला था, जिसमें कुछ जोड़-घटाव किए गए थे। इसके बाद मार्च 2022 में पुनः मूल्यांकन आदेश आया, जिसमें कुछ और बदलाव किए गए थे। बैंक ने दोनों आदेशों के खिलाफ अपील की है और अब पुनः मूल्यांकन के बाद एक नई टैक्स डिमांड आई है। बैंक ने बताया कि पुनः मूल्यांकन आदेश में गलती हुई थी, क्योंकि इसमें आयकर रिटर्न में बताई गई आय के बजाय असेस्ड आय का उपयोग किया गया था।

फिच रेटिंग्स ने भारत के वृद्धि अनुमान को घटाया

नई दिल्ली (ईएमएस)।

रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेल उत्पादके वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। रेंटिंग एजेंसी फिच ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के अपने विशेष तिमाही अपडेट में कहा कि अमेरिकी व्यापार नीति के बारे में पूरे विश्वास के साथ कुछ भी कहना मुश्किल है। व्यापक स्तर पर नीति अनिश्चितता, व्यापार निवेश की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रही हैं। शेयर की कीमतों में गिरावट से घरेलू संपत्ति कम हो रही है और अमेरिकी निर्यातकों को जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। फिच ने मार्च के अपने जीईओ में 2025 के विश्व वृद्धि अनुमानों में 0.4 प्रतिशत की कटौती की। चीन और अमेरिका के वृद्धि अनुमान को 0.5 प्रतिशत घटाया। रेंटिंग एजेंसी ने भारत के संदर्भ में वित्त वर्ष 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को घटाकर क्रमशः 6.2 प्रतिशत और 6.4 प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत पर बरकरार रखी है। फिच के अनुमानों के अनुसार अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर 2025 तक 1.2 प्रतिशत पर सकारात्मक रहने की उम्मीद है।

अपोलो हॉस्पिटल, इन्दौर का रीनल डेनर्वेशन थेरेपी के लिए मेडट्रॉनिक के साथ कोलैब्रेशन

इन्दौर (ईएमएस)। इन्दौर के लीडिंग हेल्थ केयर प्रोवाइडर अपोलो अस्पताल ने रीनल डेनेर्वेशन थेरेपी के लिए स्पेशल सेंटर बनाने के लिए मेडिकल टेक्नोलॉजी में ग्लोबल लीडर मेडट्रॉनिक इंडिया के साथ पार्टनरशिप की है। एमओयू साइन के साथ शुरू हुई इस पार्टनरशिप का मुख्य उद्देश्य अनियंत्रित हाई ब्लड प्रेशर वाले पेशेंट के लिए ट्रीटमेंट के ऑप्शन में सुधार करना है, जिससे की उनके ओवरऑल हेल्थ में बेहतर परिणाम देखने को मिले।

मेडट्रॉनिक और अपोलो हॉस्पिटल इन्दौर की इस पहल का लक्ष्य इन्दौर के हेल्थ केयर प्रोफेशनल की रीनल डेनेर्वेशन थेरेपी में एक्सपर्टीज को बढ़ाना है। इस प्रोग्राम के तहत ट्रेनिंग सेशन और वर्कशॉप के आयोजनों से मेडिकल टीम को हाई ब्लड प्रेशर के प्रभावी मैनेजमेंट और ट्रीटमेंट के लिए दवाओं के इस्तेमाल के अलावा अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के बारे में अपडेट रखना है। इसके अतिरिक्त, दोनों संस्थान कम्युनिटी एजुकेशन, पेशेंट और देखभाल करने वालों के बीच हाई ब्लडप्रेशर को लेकर अवेयरनेस लाने, इसके ट्रीटमेंट ऑप्शन और बेहतर हेल्थ मैनेजमेंट के लिए स्ट्रेटजी बनाने के लिए भी काम करेंगे।

इंदौर बाजार भाव

इन्दौर (ईएमएस)। आयात शुल्क के बाद चने में तेजी का रूख गुरूवार को भी जारी रहा। मसूर में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार बने रहे। तिलहनों में सरसो व रायडा मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में कालीमिर्च बाजार सुर्खी पर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने पर 10 प्रतिशत के आयात शुल्क के बाद बाजार में तेजी बनी हुई है। चना आज 6200-6250 रू. प्रतिक्विंटल बिक गया। मसूर में मजबूती बनी रही। नया गर्मी का मूंग 7500-7800 रू. प्रतिक्विंटल बिका। खाद्य तेलों में भाव पूर्वस्तर पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 4400 रू. प्रतिक्विंटल पर मजबूत रहे।

किराना

शक्कर 4160-4210, खोपरा गोला 195-230, खोपरा बूरा 3800-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 100-140, बेस्ट 280-300, एस्ट्रा बेस्ट 310-350, सौंफ बारीक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-750, गरबल 715-720, मटरदाना 770-795, खसखस अनक्लीन 825-875, क्लीन 1050-1225, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 750-780, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1775, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3300, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1600-1750, बेस्ट 1850-1950, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-1000, काजू (320) 825-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-820, जे.एच. 850-870, टुकड़ी 800-840, बादाम मगज 910-915, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2650, (160) 3040-3100, (200) 3400-3450, (250) 3400-3450,

खली

रात की धारणा :-गुजरात लुज 1315, मुम्बई पाम 1320, मुम्बई सोया 1295, खली:-कपास्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2225, देवास-उज्जैन 2225, खंडवा-बुरहानपुर 2200, अकोला 3050 (प्रतिक्विंटल)

तेल

सींगदाना 1340-1360, मुम्बई 1370, राजकोट तेलिया 2150, सोया साल्वेंट 1205-1210, सोया रिफाइंड 1270-1275, कपास्या 1255, धूलिया 1260, कड़ी 1260,

दलहन

चना कांटेवाला बेस्ट 6200-6250, एवरेज 6100-6150, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6150-6200, एवरेज 6100-6150, मूंग देशी 8000-8100, पाला 8100-8200, चमकी 8200-8300, नायलोन 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6500-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 7100-7400, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

अनाज

गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि पंचमी, शुक्रवासरे, मूल नक्षत्रे, वलयोगे, तैतिल करणे, धनु की चंद्रमा, लघु वृक्ष रोपण, वधू प्रवेश, द्विरागमन व्यापार मुर्हूत, गृह प्रवेश, तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

मेष तनावपूर्ण वातावरण से बचिये, स्त्री-शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी अवश्य होगी।

तुला किसी दुर्घटना से बचें, चोटादि का भय होगा, कार्य-व्यवसाय अनुकूल बनेगा।

वृष अधिकारियों के समर्थन से सुख होगा, कार्यगति विशेष अनुकूल अवश्य होगी।

वृश्चिक कार्यगति अनुकूल रहे, लाभांवित कार्ययोजना बनेगी तथा बाधा अवश्य होगी।

मिथुन भोग-एश्वर्य की प्राप्ति के बाद तनाव, क्लेश व अशांति अवश्य होगी, ध्यान रखें।

धनु कुछ प्रतिष्ठके साधन बनेंगे किन्तु हाथ में कुछ न लगे, कार्य अवरोध होगा।

कर्क अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, भाग्य साथ दे, बिगड़े कार्य अवश्य बनेंगे।

मकर अधिकारी वर्ग से तनाव, क्लेश व अशांति, कार्य अवरोध होगा।

सिंह परिश्रम सफल हो, व्यवसाय गति मंद हो, आर्थिक योजना पूर्ण अवश्य होगी।

कुंभ मनोबल बनाये रखें, योजना पूर्ण हों तथा नया कार्य अवश्य प्रारंभ होगा।

कन्या कार्य-व्यवसाय गति मंद, व्यर्थ परिश्रम, कार्य में बाधा के योग बनेंगे।

मीन दैनिक कार्यगति उत्तम, कुटुम्ब से सुख, समय उत्तम बनेगा।

कम्युनिकेशन के एमडी ने 1,800 करोड़ के शेयर स्वेच्छा से छोड़े

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशन के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने लगभग 1,800 करोड़ रुपये के 2.1 करोड़ शेयर स्वेच्छा से छोड़ दिए हैं।शेयरों को पेटीएम ब्रांड की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस की सूचीबद्धता के समय ईएसओपी के हिस्से के रूप में शर्मा को दिया गया था। अब ये शेयर वन97 के कर्मचारियों की शेयर विकल्प योजना, 2019 के तहत ईएसओपी पूल में लौट आएंगे। कंपनी ने कहा कि कंपनी के सीएमडी और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने 16 अप्रैल, 2025 को दिनांकित पत्र में सूचित किया है।

क्रॉम्पटन ने MEDA से सौर जल पंप ऑर्डर के साथ हरित ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत किया

ऊर्जा विकास एजेंसी ने 10.60 करोड़ मूल्य के 433 सौर जल पंपों का ऑर्डर देकर नवीकरणीय ऊर्जा में क्रॉम्पटन की भूमिका को और भी मज़बूती दी

मुम्बई (ईएमएस)। पंप उद्योग में अपनी नवोन्मेषी समाधानों के लिए प्रसिद्ध क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री-कुसुम योजना (पीएम-कुसुम) के अंतर्गत सौर जल पंपिंग प्रणाली के लिए ऑर्डर मिला है।

इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करते हुए, कंपनी को महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी (MEDA) से महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर 10.60 करोड़ से अधिक मूल्य के सौर फोटोवोल्टिक जल पंपिंग सिस्टम (एसपीडब्ल्यूपीएस) के डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, परिवहन, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) प्राप्त हुआ है।

इस ऑर्डर के साथ, क्रॉम्पटन विश्वसनीय और कुशल सौर जल पंपिंग समाधानों के माध्यम से टिकाऊ खेती को सुलभ करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना जारी रखेगा। कंपनी की मज़बूत सेवा नेटवर्क, सक्षम चैनल पार्टनर और प्रदर्शन की विश्वसनीय विरासत इसे इस बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम बनाती है। क्रॉम्पटन के पंप टिकाऊपन और प्रदर्शन के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जो पांच-चरणीय उत्पाद विकास प्रक्रिया, उन्नत विनिर्माण क्षमताओं और गहन अनुसंधान एवं विकास विशेषज्ञता से सुज्जित हैं। अगले कुछ वर्षों में पीएम-कुसुम योजना के तहत अधिक से अधिक सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप लगाने की योजना के साथ, क्रॉम्पटन इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। अगले कुछ वर्षों में पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत और अधिक सौर ऊर्जा चालित पंप लगाने की योजना के साथ, क्रॉम्पटन ऊर्जा दक्षता श्रेणी में प्रभाव डालने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह पहल स्वच्छ ऊर्जा समाधानों के माध्यम से कृषि में सतत प्रगति को बढ़ावा देने की क्रॉम्पटन की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट-बी के हिस्से के रूप में यह पहल किसानों को पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर स्थानांतरित करने में सीधे योगदान देती है – जिससे आर्थिक और पर्यावरणीय दोनों लाभ होते हैं।

शब्द पहेली - 8340

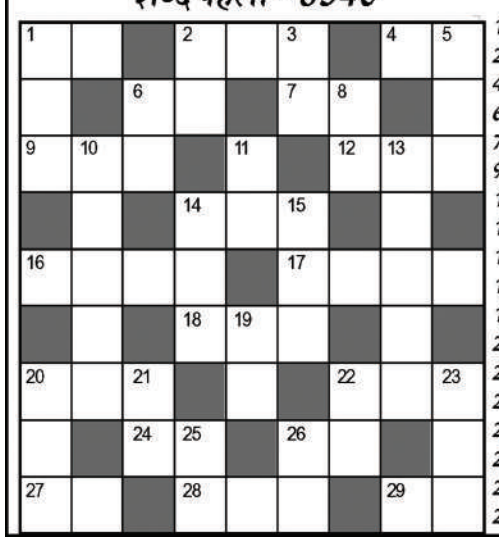

बाएँ से दाएँ

1. भीगा हुआ-2
2. गाने वाला-3
4. दिया, चिराग-2
6. केश-2
7. जिससे ताला खुलता है-2
9. सूरमा -3
12. नख-3
14. तेरह गुणा चार-3
16. एक जैसा तल-4
17. दरवाजे की आवाज-2,2
18. कड़ा, तेज-3
20. आँखों के ऊपर की परत-3
22. साधुवाद देना, वाह-वाह-3
24. पुत्र, एक रंग-2
26. तुम का आदर सूचित शब्द-2
27. पत्र-2
28. आश्चर्य-3
29. तट, किनारा-2

ऊपर से नीचे

1. छोटा गीत-3
2. मुँह के दोनों ओर का भाग-2
3. जो पका न हो-2
5. हवा, वायु-3
6. बच्चा, बालक-2
8. वीणा, एक वाद्य-2
10. जितेन्द्र व रेखा की एक फिल्म-2,3
11. मूल्य, दर-2
13. मारकाट-5
14. बच्चा-3
15. नाज, अदा-3
19. पंजाब की एक नदी-2
20. जांच-पड़ताल-3
21. हुनर-2
22. बददुआ-2
23. नगर-3
25. बेल, कोमल लम्बा पौधा-2
26. फूलों का प्राकृतिक रस-2

शब्द पहेली-8339 का हल

त	मा	शा	ई	■	ह	जा	म	त
ल	ता	■	मा	ज	रा	■	त	ह
वा	■	■	न	■	र	न	■	री
र	ह	न	■	न	त	म	स्त	क
■	■	शे	■	य	■	की	■	■
ना	मु	म	कि	न	■	न	मा	ज
वा	■	न	का	■	स	■	■	रु
कि	म	■	य	म	न	■	द	र
फि	त	र	त	■	क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

जिला पंचायत सीईओ ने किया फुटेरा में नर्सरी का अवलोकन

अशोकनगर,ईएमएस। जिले की ईसागढ़ तहसील के आदर्श ग्राम फुटेरा पछार में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन ने गुरूवार को ग्राम का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने नवांकुर संस्था अक्षरपीठ द्वारा निर्मित नर्सरी का निरीक्षण किया। उन्होने हितग्राहियों से चर्चा की। साथ ही पंचायत सचिव को निर्देश दिए कि गांव में पेयजल की जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए।

स्वरोजगार मेले का आयोजन 25 को

अशोकनगर, ईएमएस। कलेक्टर आदित्य सिंह के मार्गदर्शन में 25 अप्रैल को जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र अशोकनगर में प्रातः 11 बजे से जिला स्तरीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन किया गया है। रोजगार मेले में प्रदेश की विभिन्न कंपनियों द्वारा मेला स्थल पर साक्षात्कार के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार एवं संबंधित विभाग द्वारा अलग अलग स्वरोजगार योजनाओ के बारे मे मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जायेगा।

अचानक जिला अस्पताल पहुंचे कलेक्टर, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

स्टाफ की कमी पर जताई नाराजगी, मरीजों को मिलने वाला भोजन जांचा

अशोकनगर, ईएमएस।

जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति का जायजा लेने के लिए नवागत कलेक्टर आदित्य सिंह ने जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल के आईसीयू, सर्जिकल वार्ड, ब्लड यूनिट, डायलिसिस यूनिट, महिला-पुरुष वार्ड और एसएनसीयू सहित अन्य प्रमुख विभागों का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों को परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता का गहन निरीक्षण किया। सीएमएचओ डॉ. डीके भार्गव भी इस दौरान मौजूद रहे।

गुरुवार को निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। स्वास्थ्य सेवाओं की सतत निगरानी कर जिला चिकित्सालय को एक आदर्श चिकित्सालय के रूप में लिया जायेगा। साथ ही एक अच्छे वातावरण में मरीजों का इलाज हो यह सुनिश्चित कराया जाएगा। मरीजों को मिलने वाली समस्त स्वास्थ्य सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराने के निर्देश सिविल सर्जन को दिए। उन्होने कहा कि अस्पताल में प्रत्येक वार्ड के सुधार के लिए

आवश्यक प्रयास कराए जाएंगें। अस्पताल में साफ-सफाई व्यवस्था, ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए पेयजल की समुचित व्यवस्था, सुरक्षा गार्ड की बेहतर व्यवस्था, ब्लड बैंक में पर्याप्त ब्लड की मात्रा उपलब्ध रखे जाने के निर्देश दिए। शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता के मद्देनजर स्वास्थ्य सेवाओं की गाइडलाईन अनुसार प्रबंधन एवं संचालन हेतु जिला चिकित्सालय अग्रणी रहे, ऐसे प्रयास सतत रूप से किए जाएंगे।

अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश: कलेक्टर सिंह ने अस्पताल में डॉक्टरों और स्वास्थ्य स्टाफ की कमी पर गंभीर चिंता जाहिर की। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि बिना कारण अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को हर हाल में सुदृढ़ किया जाएगा।

सफाई व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए:
निरीक्षण के दौरान अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था में गंभीर लापरवाही सामने आई। शौचालयों में गंदगी पाई गई, जिस पर नाराजगी जाहिर करते हुए कलेक्टर ने तत्काल सफाई के निर्देश दिए। गर्मी को देखते हुए अस्पताल परिसर में शेड लगाने, प्याऊ स्थापित करने और विशेष सफाई व्यवस्था करने को कहा गया। बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के भी निर्देश दिए गए।

विभिन्न वार्डो का किया निरीक्षण

जिला चिकित्सालय के भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने विभिन्न वार्डो में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने फायर सेफ्टी प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश सिविल सर्जन को दिए। उन्होंने मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं एवं दवाओं के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

आज से शुरु होगा मारुति पशु मेला, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

अशोकनगर, ईएमएस। जिले के शाढ़ौरा कस्बे में लगने वाले मारुति पशु वार्षिक मेले की शुरुआत आज से होने जा रही है। मेले को लेकर शाढ़ौरा में सुरक्षा के पुख्ता इंतजार किये हैं। जिनका निरीक्षण गुरुवार को अधिकारियों द्वारा किया गया। बता दें, यह मेला पिछले करीब 125 सालों से हर साल लगता आ रहा है। मेला की तैयारियों का जायजा लेने गुरुवार को प्रशासनिक अधिकारी मेला ग्राउंड पहुंचे। एसडीएम बृज बिहारी लाल श्रीवास्तव और एसडीओपी विवेक शर्मा ने टेकरी के पास स्थित मेला ग्राउंड का निरीक्षण किया। शुक्रवार को रामलीला मंचन के साथ मेले की शुरुआत होगी।

अधिकारियों ने नगर पालिका, स्थानीय पुलिस, व्यापारियों और शहर के नागरिकों के साथ बैठक की। एसडीएम ने नगर पालिका इंजीनियर और सीएमओ को मेला ग्राउंड में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल, पर्याप्त लाइटिंग और रामलीला के दौरान दर्शकों के बैठने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। मेले में लगने वाली दुकानों, झूलों और मौत के कुएं को हवा-आंधी से बचाने के लिए मजबूती से लगाने के निर्देश दिए गए।

भाजयुमो ने सोनिया गांधी व राहुल गांधी का पुतला फूंका

खरगोन, ईएमएस। प्रवर्तन निदेशालय ने नेशनल हेराल्ड मनी लांड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल की है। इस मामले को लेकर गुरुवार को भाजयुमो के बैनर तले सांसद गजेंद्रसिंह पटेल व विधायक बालकृष्ण पाटीदार की उपस्थिति में बिस्टान रोड तिराहा पर प्रदर्शन कर सोनिया गांधी व राहुल गांधी का पुतला दहन किया। भाजयुमो कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने उक्त भ्रष्टाचारी कांग्रेस नेताओं के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की।

सांसद श्री पटेल ने कहा ईडी की चार्जशीट यह स्पष्ट करती है कि गांधी परिवार ने कांग्रेस पार्टी का दुरुपयोग कर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड को अपने नियंत्रण में ले लिया, जिसकी संपत्ति दो हजार करोड़ रुपए से अधिक थी और जिसे पत्रकारिता व जनसेवा के लिए बनाया गया था। गांधी परिवार ओर कांग्रेस भ्रष्टाचार में लिप्त है और यह उजागर हो गया है। विधायक श्री पाटीदार ने कहा कांग्रेस अब एक राष्ट्रीय आंदोलन नहीं, बल्कि एक पारिवारिक धंधा बन गई है।

कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र बचाने के लिए नहीं हैं, बल्कि गांधी परिवार को जांच से बचाने का राजनीतिक नाटक है। पुतला दहन के दौरान प्रदेश कार्यसमिति सदस्य परसराम चौहान, जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश भावसार, पूर्व जिलाध्यक्ष रणजीतसिंह डंडीर, भाजयुमो जिलाध्यक्ष व खरगोन नगर पश्चिम मंडल अध्यक्ष रवि वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

वादा खिलाफी रैली निकाल संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

देवास, ईएमएस। एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ द्वारा जितेन्द्र भदौरिया प्रदेश अध्यक्ष, विजय ठक्कर प्रदेश संयोजक जीतेन्द्र यदुवंशी, प्रदेश महामंत्री एवं भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व में एक दिवसीय सामुहिक अवकाश रखा जाकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर कलेक्टर कार्यालय में रैली निकालकर ज्ञापन सौंपा गया।

जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर ने बताया कि जिले के समस्त कर्मचारियों द्वारा वादा खिलाफी रैली निकाली और अपनी जायज मांगे रखी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत 20 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत लगभग 32 हजार कर्मचारी प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएँ सुचारू रूप से देते आ रहे हैं। कोरोना काल जैसी गंभीर महामारी में भी अपने परिवार एवं जीवन की परवाह किए बगैर सेवाएँ दी हैं। देवास में टीबी मुक्त अभियान को प्रदेश में टॉप लाया गया, इन्हीं सेवा-भाव को दृष्टिगत रखते हुए तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 04.07.2023 को भोपाल में महापंचायत बुलाकर संविदा कर्मचारियों के लिए अनेक घोषणाएँ की थी।

सरकारी हेडपंप को बागड़ लगाकर कब्जे में करने की एसडीएम को शिकायत

सिरोंज, ईएमएस।

ग्राम कचनपुर के आधे दर्जन के ग्रामीणों द्वारा एक आवेदन एसडीएम के नाम तहसील में देकर अनुसूचित मोहल्ला में सरकारी हेडपंप को ग्रामीण के बागड़ से मुक्त करवाने की मांग कि है। आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम के एक व्यक्ति के मकान से लगकर सरकारी हेडपंप लगा हुआ है जिससे ग्रामीण पानी पीते थे उक्त हेडपंप को उक्त व्यक्ति ने बागड़ लगाकर अपने कब्जे में ले लिया है और पीएचई विभाग से मोटर डलवा कर अपना किचवाड़ा कर रहा है। ग्रामीणों को पानी भरने नहीं देता है। और धमकी देता है लड़ने को उतारू हो जाता है। जिससे अनुसूचित मोहल्ला में पानी की समस्या उत्पन हो गयीं है। इसदौरान अजबसिंह, रामदयाल, रामबाबू, सुरेन्द्र, श्यामसुंदर, फूलसिंह, मलखानसिंह आदि शामिल रहे।

जैतापुर पुलिस चौकी को मिला थाने का दर्जा, सांसद, विधायक ने किया औपचारिक लोकार्पण

खरगोन। शहर को गुरुवार दूसरे थाने की सौगात मिल गई है। गुरुवार को सांसद गजेंद्र पटेल, विधायक बालकृष्ण पाटीदार, कलेक्टर भव्या मित्तल, एसपी धर्मराज मीना ने समारोहपूर्वक जैतापुर पुलिस चौकी का नवीन थाने के रुप में औपचारिक लोकार्पण किया।

सांसद ने समारोह में पुलिस को अपना मित्र समझने और उसको सहयोग करने की अपील की। सांसद ने पुलिस विभाग को अन्य सुविधाएं मुहैया कराने का भी भरोसा दिया। विधायक पाटीदार ने कहा कि थाना खुलना खुशी की बात नही है, हमारा प्रयास है कि जिला, प्रदेश, देश अपराध मुक्त हो, राम राज्य स्थापित हो। समारोह में कलेक्टर भव्या मित्तल ने उन अफवाहो पर विराम लगा दिया कि खरगोन में स्वीकृत हुई बटालियन अब खंडवा में स्थापित होगी। कलेक्टर ने कहा जिले में ही बटालियन बनेगी। एसपी धर्मराज मीना ने कहा कि थाने के नवीन भवन के लिए बलवाडी में जगह चिन्हित हो चुकी है, यहां भवन निर्माण राशि के लिए बजट स्वीकृति में जनप्रतिनिधि प्रयास करें, साथ ही सांसद, विधायक निधि से पुलिस के लिए सामुदायिक भवन भी मिले, जिससे पुलिसकर्मियों को हो रही असुविधाएं दूर हो सके। उल्लेखनीय है कि कानून व्यवस्था की दृष्टि से शहर संवेदनशील माना जाता है। ऐसे में 2022 को हुए दंगों के बाद तात्कालीन पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने शहर में बटालियन के साथ ही दो थाने बनाने की घोषणा की थी।

अवध नारायण श्रीवास्तव अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष बने

सिरोंज, ईएमएस। अखिल भारतीय कायस्थ मह सभा की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विश्वास कैलाश सारंग की अनुशंसा पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव ने सिरोंज के वरिष्ठ अधिवक्त । एवं अभिभाषक संघ के पूर्वअध्यक्ष वर्ष समाजसेवी अवध नारायण श्रीवास्तव एडवोकेट को महासभा का प्रदेशउपाध्यक्ष नियुक्त किया हैं श्रीवास्तव की नियुक्ति पर नगर के गणमान्य नागरिक अभिभाषक संघ राजनितियों ने उन्हें बधाई दी है

सर्व ब्राह्मण युवा परिषद द्वारा समाज को परशुराम जी की प्रतिमा भेंट की गई

देवास। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ द्वारा अध्यक्ष दिनेश मिश्रा की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जानकारी देते हुए आदित्य दुबे ने बताया कि स्थानीय खेड़ापति होटल में आयोजित कार्यक्रम का प्रारम्भ भगवान परशुराम का पूजन कर प्रारम्भ किया गया। जिसमें सर्व ब्राह्मण युवा परिषद इंदौर द्वारा राजराजेश्वर भगवान परशुराम जी की पीतल की दिव्य प्रतिमा सर्व ब्राह्मण समाज देवास को भेंट की गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में संचालित की जा रही अनेक गतिविधियां

सीहोर, ईएमएस। राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले मे 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं।

सायबर सेल पुलिस ने गुम हुए 150 स्मॉर्ट मोबाईल खोजकर, मोबाइल के मालिकों को किया सुपुर्द

सीहोर, ईएमएस।

दीपक कुमार शुक्ला, पुलिस अधीक्षक सीहोर ने सभी गुम मोबाईलों को उनके वास्तविक धारकों को सुपुर्द किया। जिले के विभिन्न थाना अंतर्गत रहने वाले नागरिकों के मोबाईल किसी न किसी कारण से कहीं गुम हो गये या गिर गये है । पुलिस को इस तरह की नियमित तौर पर सूचना या शिकायते प्राप्त होती हैं । ऐसे पीड़ित मोबाईल धारकों द्वारा सीहोर पुलिस को मोबाईल खोजने हेतु आवेदन पत्र दिये थे । पुलिस अधीक्षक सीहोर के निर्देशानुसार सायबर सेल द्वारा उक्त गुम मोबाईल खोजने का विशेष अभियान चलाया गया ।

इसी क्रम में सायबर सेल एवं मैदानी क्षेत्र की इकाईयों द्वारा लगभग 6 माह के प्रयासों के बाद गुम मोबाईलों को तकनीकी सहायता से सर्च किया गया जिसमें से कुल 150 गुम मोबाईल की पतारसी कर प्राप्त करने में सफलता प्राप्त हुई, जिनकी अनुमानित कीमत 22 लाख रूपए है । पुलिस अधीक्षक कार्यालय की सभा गृह में 102 गुम मोबाईल को वास्तविक मोबाईल धारको को विधिवत सुपुर्द किया गया ।

अन्य 48 मोबाइल का वितरण पूर्व में भी वास्तविक मोबाईल धारको को विधिवत सुपुर्द किया जा चुका है। इस अवसर पर स्टूडेन्ट से लेकर बुर्जुग सभी वर्ग के व्यक्ति थे, जब सभी को मोबाइल सुपुर्द किये गये, तो उनके द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुये सायबर सेल जिला पुलिस सीहोर का धन्यवाद ज्ञापित किया । भविष्य में भी लगातार सायबर सेल व मैदानी क्षेत्र की इकाईयों द्वारा काम करते हुये अधिक से अधिक से खोये हुये मोबाइल फोन व अन्य सामान बरामद करने का प्रयास किया जायेगा । इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीहोर द्वारा उपस्थित सभी मोबाइल धारकों को सायबर अपराध के संबंध में सायबर फ्रॉड से सर्तक रहने, सोशल मीडिया का उपयोग सावधानीपूर्वक करने, प्राइवेसी सिक्यूरिटी सही रखने, डिजिटल अरेस्ट के विषय में जागरूक किया, कोई गोपनीय सूचना,फोटो ग्राफ, वीडियोग्राफ आदि किसी अनजान व्यक्ति को शेयर न करने, और कुछ होने पर जिले की सायबर सेल शाखा के मोबाइल नम्बर 7049128208 या 1930 पर सम्पर्क करने की जानकारी दी गई । इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीहोर श्रीमति सुनीता रावत एवं सायबर सेल की टीम उपस्थित रही ।

शहर में शुरु हुआ देश का 448वां पासपोर्ट सेवा केंद्र, सांसद, विधायक, मुख्य पासपोर्ट अधिकारी, कलेक्टर, एसपी की मौजूदगी में हुआ लोकार्पण

खरगोन, ईएमएस। शहर के एसडीएम कार्यालय परिसर स्थित भवन में सांसद गजेंद्र पटेल, विधायक बालकृष्ण पाटीदार, विदेश मंत्रालय संयुक्त सचिव केजे श्रीनिवासन, कलेक्टर श्रीमती भव्या मित्तल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों- अधिकारियों की मौजूदगी में नवीन डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र की शुरुआत की गई। सांसद- विधायक ने केंद्र पर फीता काटकर एवं शिलान्यास का लोकार्पण कर केंद्र पर पासपोर्ट बनाने की प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत की।

समारोह में सांसद गजेंद्र पटेल ने कहा कि जिले में पासपोर्ट सेवा केंद्र की शुरुआत होने से समय और धन दोनों की बचत होगी। इंदौर, अब भोपाल, खंडवा जैसे केंद्रों पर नही जाना पड़ेगा। विधायक पाटीदार, विदेश मंत्रालय संयुक्त सचिव एवं मुख्य पासपोर्ट अधिकारी श्री निवासन, पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर क्षेत्र श्रीमति प्रीति अग्रवाल, अतिथि नपाध्यक्ष छाया जोशी, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी शितांशु चौरसिया ने भी समारोह को संबोधित किया। इस दौरान कलेक्टर भव्या मित्तल, एसपी धर्मराज मीना, एसडीएम बीएस कलेश आदि मंचासीन थे।

नल कनेशन की पाईप लाईन लीकेज, नपा का ध्यान नहीं

सिरोंज। नपा के जलसंरक्षण की ओर बिलकुल ध्यान न देने के कारण आये दिन नगर के विभिन्न क्षेत्रों में पानी की पाईप लाईन लीकेज के मामले सामने आ रहे है वही कई जगह नल कनेक्षन के बाद निकले पाईप लाईन लीकेज हो रही है। उल्ले खनीय होकि बामोरा रोड पर वाल्मिकी मोहल्ले के सामने स्थित नल कनेक्षन की पाईप लाईन लीकेज होने के कारण व्यर्थ में सैकड़ो लीटर पानी व्यर्थ में बह रहा है। जिसपर नपा द्वारा मॉनीटरिंग न करने के कारण उक्त लीकेज नहीं सुधर पा रहा है और व्यर्थ में बह रहे पानी को नहीं रोका जा रहा है जिससे सड़क पर कीचड़ की स्थिति भी उत्पन हो रही है। नागरिकों ने बताया कि नपा के थन बांध में धीरे-धीरे पानी का लेवल कम होने के बाद भी जल सरंक्षण की ओर बिलकुल ध्यान नहीं दे रही है। नागरिकों ने उक्त नल कनेक्षन का पाईप सुधरवाने या फिर नल कनेक्षनधारी से सुधरवाने की मांग कि।

OFFICE OF THE MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM (MP)

cmohoshangabad@mpurban gov.in

NIT NO/2732/E-Tendering/NPN/2025 Narmadapuram Date 15/4/25

//Notice Inviting Tenders//

(1" Call)

Online Percentage rate bids for the following works are invited from Centralized registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria -

SL No.	Tender No.	Name of work	Probable Amount of Contract	Earnest Money Deposit	Cost of Bid Document	Period of Completion
1.	2025_UAD_416850_1	RAJGHAT BEAUTIFICATION WORK UNDER CM URBAN INFRASTRUCTURE YOJANA AT NARMADAPURAM MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	2,54,23,707/-	1,27,120/-	15,000/-	12 Months (with rainy season)

The Bid Document can be Download only online from 15/04/2025 (15:00) to 16/05/2025 (17:30) hour for more Information:- https://mptenders.gov.in

Chief Municipal Officer
Municipal Council
Narmadapuram

महाजन समाज में अनूठी पहल : गाय बछड़े का कन्यादान किया

खरगोन, ईएमएस। शहर के भंडारी परिवार ओर बड़वानी के बर्तन वाले परिवार में विवाह के दौरान अनूठी पहल देखने को मिली। यहां डॉक्टर गणपति महाजन ने अपनी नाती ऋषिका के कन्या दान में गाय बछड़े से कन्या दान किया। रितेश महाजन ने पूजा पाठ किया। दूल्हा तुषार भंडारी-दुल्हन ऋषिका के कन्यादान के अवसर पर वर-वधु के परिजन एवं समाजजन मौजूद रहे। गाय बछड़े के कन्यादान को देखकर समाजिक बंधुओं ने सराहना करते हुए कहा कि पुराने जमाने में बेटी का कन्या दान पिता की ओर से गाय दान के रूप में किया जाता था। डॉ. महाजन ने अपनी नाती के विवाह में गाय बछड़े का कन्यादान कर समाज में अच्छी पहल की जिसकी सराहना हो रही है।

पश्चिम रेलवे की लापरवाही, ट्रेन पर नहीं है गाड़ी के नंबर

बुरहानपुर, ईएमएस। रेल मंत्रालय रेल यात्रियों को सुविधा का खूब प्रचार करता है परंतु जब इसकी जमीनी हकीकत जानी गई तो पता चला कि आरक्षण टिकट पर ट्रेन का नाम और जो नंबर दिए गए वहां प्लेटफार्म पर खड़ी ट्रेन पर नहीं होने से यात्री सुविधाओं की पोल खोलते नजर आई जिससे यात्री परेशान होकर प्लेटफार्म पर हैरान परेशान भटकते देखे गए।

दरअसल भुसावल से दादर पश्चिम को चलने वाली खानदेश एक्सप्रेस जो पश्चिम रेलवे के माध्यम से सप्ताह में तीन दिन खानदेश एक्सप्रेस के नाम से 19016 एवं 19015 दादर पोरबंदर के लिए तथा तीन दिन स्पेशल के नाम 09051 एवं 0950 के नाम से भुसावल दादर पश्चिम टर्मिनल को चलाई जाती है परंतु ट्रेन संचालन विभाग की लापरवाही इतनी के जब यह गाड़ी स्पेशल 090 एवं 0905 1 नंबर से चलाई जाती है तो संचालन विभाग इस गाड़ी पर नंबर प्लेट और नाम पट्टी का नहीं लगता है जिससे स्क्रीन से यात्रा करने वाले यात्री टिकट पर ट्रेन नंबर के अनुसार इसे

ढूंढने के लिए प्लेटफार्म पर बे यारो मददगार भटकते देखे जा सकते हैं विभाग की इतनी ही लापरवाही नहीं प्लेटफार्म पर इंडिकेटर लगे होने के बाद भी उसे पर ट्रेन का नाम और कोच नंबर डिस्प्ले नहीं किए जाते हैं इस मामले को लेकर जब यात्रियों ने कोच अटेंडेंट से शिकायत की तो उनका दो-टूक कहना था कि रेल मंत्री के ट्विटर हैंडल पर सीधे तौर पर शिकायत करें भला रेल कर्मचारी का यह दो टूक क्या रेल सेवा को दर्शाता है इस पर पश्चिम रेलवे मुंबई एवं मध्य रेलवे भुसावल को संज्ञान लेकर रेल यात्रियों को सुविधा दिलाने की पहल करनी चाहिए तथा ट्रेन संचालन विभाग की खबर भी लेना चाहिए।

दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच पर जुर्माना

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया है। मुनाफ पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में अंपायर से बहस करने के कारण मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाने के साथ ही उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है।

स्पोर्ट्स

इस सत्र में अबतक फ्लाप रहे हैं दिल्ली कैपिटल्स के फेजर

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की टीम को भले ही राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुपर ओवर में जीत मिली है पर इस दौरान उसकी कमजोरी सामने आ गयी। दिल्ली की टीम एक बार फिर इस मैच में अच्छी शुरुआत करने में विफल रही। इस मैच में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर दिल्ली को बल्लेबाजी के लिए बुलाया।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और पंजाब में मुकाबला

शाम 7.30 बजे से होगा मैच

■ बेंगलुरु (ईएमएस)।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में पंजाब किंग्स से खेलेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी पर आरसीबी को इसमें घरेलू हालातों का लाभ मिल सकता है। अभी तक दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। दोनो ही टीमों ने अब तक चार-चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल किये हैं पर रेट रन रेट के आधार पर आरसीब तीसरे जबकि पंजाब चौथे स्थान पर है। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बज्लेबाज और गेंदबाज हैं , ऐसे में प्रशंसकों को एक रोमांचक मैच देखने को मिलेगा। इस मैच में आरसीबी के बल्लेबाज विराट कोहली ओर पंजाब के स्पिनर युजवेंद्र चहल के बीच कड़ी टक्कर होगी। चहल ने पिछले मैच में जबरदस्त गेंदबाजी कर अपनी टीम

की ओर से 112 रनों के लक्ष्य का बचाव करने में सफलता हासिल की थी। आरसीबी के बल्लेबाजों को यहां की धीमी पिच पर पिछले मैचों में स्पिनरों के सामने संघर्ष करना पड़ा था। जिसको लाभ पंजाब के स्पिनर उठाना चाहेंगे। पंजाब के पास चहल के अलावा स्पिनर के तौर पर ग्लैन मैक्सवेल भी हैं। मैक्सवेल लंबे समय तक आरसीबी में रहे हैं और वह मैदान के हालातों को भी समझते हैं। वहीं आरसीबी के पास भी करुणाल पांड्या और सुयश शर्मा जैसे अच्छे स्पिनर हैं जो पंजाब के कप्तान श्रेयस श्रेयस अय्यर और प्रियांश आर्य पर अंकुश लगाने का प्रयास करेंगे। श्रेयस के अलावा इस सत्र में प्रियांश ने भी काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। पंजाब टीम के पास अर्शदीप सिंह और मार्को यानसन जैसे अच्छे तेज गेंदबाज भी हैं। वहीं आरसीबी के पास तेज गेंदाजाज के तौर पर अनुभवी जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार हैं जिनका लाभ उसे मिलेगा। आरसीबी के लिए सकारात्मक बात ये है कि उसके कप्तान रजत पाटीदार ने अब तक टीम को अच्छी सफलता दिलायी है। रजत पहली बार कप्तानी कर रहे हैं जबकि श्रेयस ने अपनी कप्तानी में पिछली कार कोलकाता नाइटराइडर्स को जीत दिलायी थी। इन दोनों खिलाड़ियों को स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा बल्लेबाज माना जाता है और इसलिए बल्लेबाजी में उनकी अहम भूमिका रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो दोनो ही टीमों किसी भी मामले में कम नहीं है ऐसे में बराबरी की टक्कर है। आरसीबी की बल्लेबाजी में काफी गहरायी है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल साल्ट, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक छिकारा, लुंगी एनगिडी। अभिनंदन सिंह, मोहित राठी।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, सूर्यांश शेडगे, प्रवीण दुबे, विजयकुमार विशक, हरप्रीत बराड़, अजमतुल्लाह उमरजई, जोश इंग्लिस, जेविियर बार्टलेट, विष्णु विनोद, आरोन हार्डी, कुलदीप सेन। हरनूर सिंह, मुशीर खान, पला अविनाश।

आईपीएल से पहले नेट में इस कारण गेंदबाजी नहीं करते हैं नरेन -बिस्ला

चंडीगढ़ (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाज सुनील नरेन ने आईपीएल मैच से पहले नेट में गेंदबाजी नहीं करते हैं। वहीं आमतौर पर सभी गेंदबाज मैच से पहले लय हासिल करने नेट अभ्यास करते हैं। नरेन बिना नेट अभ्यास के ही मैच में अच्छी गेंदबाजी करते है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में नरेन ने 3 ओवर में केवल 14 रन देकर ही 2 खिलाड़ियों को आउट कर दिया। केकेआर के पूर्व खिलाड़ी मनविंदर बिस्ला ने कहा है कि नरेन को नेट्स में गेंदबाजी करने में कोई रुचि नहीं है। इसका एक कारण ये ही है कि वे नहीं चाहते है कि बल्लेबाज उनकी गेंदबाजी को पहले ही पढ़ लें क्योंकि आज टीम में शामिल बल्लेबाज ही कुछ साल बाद दूसरी टीम के लिए भी खेल सकते हैं। बिस्ला के मुताबिक नरेन की सफलता का राज भी नेट में गेंदबाजी नहीं करना है। बिस्ला केकेआर में विकेटकीपर के तौर पर खेला करते थे। उन्हें नरेन से कहना पड़ता था कि वो उन्हें 12 से 13 गेंद फेंक दे, जिससे वो उनकी गेंदबाजी में पड़ने वाली विविधता को समझ सकें क्योंकि उन्हें विकेटकीपिंग कीपिंग के दौरान कैच और स्टंपिंग करना होता था। इसके बाद नरेन ने बिस्ला को कुछ गेंदे फेंकी थी जिससे उन्हें नरेन की गेंदबाजी की विविधता समझ आई।

हार से निराश हैं राजस्थान रॉयल्स के कप्तान सैमसन, लक्ष्य हासिल करने की थी उम्मीद

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सुपर ओवर में मिली हार पर राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने निराशा जतायी है। सैमसन के अनुसार उन्हें लगा था कि बल्लेबाज लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। इस मैच के दौरान राजस्थान रॉयल्स की टीम को अंतिम ओवर में 1 गेंद पर जीत के लिए 2 रन चाहिए थे पर वह एक ही रन बना पायी। इससे स्कोर बराबर होने के कारण मैच सुपर ओवर में पहुंच गया। इसमें रॉयल्स की टीम पहले बल्लेबाजी करनी उतरी और उसने 11 रन बनाए। इस लक्ष्य को दिल्ली ने आसानी से हासिल कर लिया। सुपर ओवर में रॉयल्स ने शिमरोन हेटमायर और रियान पराग को भेजा। रियान ने 1 चौका लगाया पर सभी उनको उतारे जाने स हैरान नजर आये। पराग ने 3 गेंदे खेलकर 4 रन बनाए जबकि हेटमायर भी 3 गेंदे पर 5 रन बनाने में सफल रहे। राजस्थान की टीम सुपर ओवर में अधिक रन नहीं बना पायी।

सैमसन ने हार के बाद कहा, ÷मैं सुपर ओवर में बल्लेबाजी करने के लिए तैयार नहीं था। हमने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। मैं अपने गेंदबाजों और फील्डर्स को इसका श्रेय देना चाहूंगा। मुझे लगा कि हमारे पास जो बल्लेबाजी लाइनअप वह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है पर ऐसा हो नहीं पाया। ÷

ओलंपिक क्रिकेट मुकाबले कैलिफोर्निया के पोमोना शहर में होंगे : शाह

दुबई (ईएमएस)। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है। ओलंपिक में होने जा रहे क्रिकेट मुकाबलों को लेकर अभी से तैयारियां शुरु हो गयी हैं। इसके लिए दक्षिण कैलिफोर्निया का पोमोना शहर तैयार किया जा रहा है। यहीं क्रिकेट मुकाबले होंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ये बात कही है। इसमें पुरुष और महिला वर्ग में छह-छह टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन पोमोना के फेयरग्राउंड में होगा। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने एक कहा, 'हम लॉस एंजिल्स 2028 में क्रिकेट के आयोजन स्थल की घोषणा का स्वागत करते हैं क्योंकि यह ओलंपिक में हमारे खेल की वापसी की तैयारी की दिशा में एक अहम कदम होगा।' उन्होंने कहा, 'क्रिकेट एक बेहद लोकप्रिय खेल है और ओलंपिक से उसे विस्तार करने का एक शानदार अवसर मिलेगा। टी20 प्रारूप का रोमांच ओलंपिक के क्रिकेट के लिए नए दर्शकों को अपनी ओर खींचेगा।' गौरतलब है कि इससे पहले क्रिकेट के मुकाबले 1900 के पेरिस ओलंपिक खेलों में हुए थे। इसे अक्टूबर 2023 में मुंबई में आईओसी के 141वें सत्र के बाद लॉस एंजिल्स ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किया गया था।

गेंद पर लार लगाने का लाभ नहीं मिला : स्टार्क

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

दिल्ली कैपिटल्स की राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने उन दावों को गलत बताया है जिनमें कहा गया है कि गेंद पर लार लगाने का लाभ उन्हें मिला। स्टार्क ने इस मैच में कसी हुई गेंदबाजी करते हुए रॉयल्स के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। स्टार्क ने 20वें ओवर में राजस्थान को लक्ष्य तक पहुंचने से रोक दिया। उसके बाद सुपर ओवर में भी उसे केवल 12 रनों पर ही समेट दिया। इससे दिल्ली की टीम को जीत दर्ज करने में आसानी हुई। मैच के बाद जब स्टार्क से गेंद पर लार के असर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक धारणा है।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्यों को बाहर किया

■ मुम्बई (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्यों को बाहर कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही इन सदस्यों को बाहर किये जाने की चर्चाएं थीं। इसका कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के साथ ही ड्रेसिंग रुम की बातें बाहर आना बताया जा रहा है। बोर्ड इस बात से सबसे अधिक नाराज था कि टीम की गोपनीय बातें कैसे बाहर आ रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीसीसीआई ने सहायक

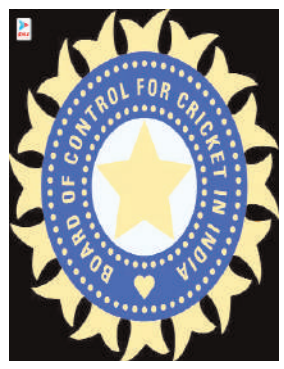

कोच अभिषेक नायर को हटा दिया है। नायर 8 महीने पहले ही भारतीय टीम से जुड़े थे। इसके अलावा फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देसाई को भी बाहर कर दिया गया है। ये दोनों ही गत तीन साल से भारतीय टीम से जुड़े हुए थे। इनकी जगह पर शीघ्र ही नया सहायक स्टाफ रखा जाएगा।

एक साल से भी कम समय में सहयोगी स्टाफ को बाहर किये जाने का कारण टीम के खराब प्रदर्शन और ड्रेसिंग रुम की बातें बाहर आने को बताया गया है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक रहा था और उसे 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था। बीसीसीआई इस कारण भी नाराज थी कि ड्रेसिंग रूम की बातें बाहर आने से टीम की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ रह था और खिलाड़ियों के बीच मतभेद की आशंका बढ़ गयी थी।

नीरज ने वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर में जीत हासिल की

पोटचेफस्ट्रूम (ईएमएस)। भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका में हुई पॉट इनविटेशनल ट्रैक प्रतियोगिता में जीत हासिल कर सत्र की शानदार शुरुआत की है। चोपड़ा ने इस वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता में 84.52 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर शीर्ष स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में छह खिलाड़ियों ने भाग लिया था। नीरज ने यहां मेजबान देश के डौव स्मिट को भी पीछे छोड़ा जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.44 मीटर था।

चोपड़ा का प्रदर्शन हालांकि उनके पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर से कम था, जबकि स्मिट अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 83.29 मीटर के करीब पहुंचे। नीरज और स्मिट ही प्रतियोगिता में 80 मीटर से अधिक भाला फेंक सके। मेजबान देश के ही एक अन्य खिलाड़ी डंकन रॉबर्टसन ने 71.22 मीटर भाला फेंका ओर वह तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा आजकल दक्षिण अफ्रीक में अपने नए कोच चेक गणराज्य के जान जेलेजनी की निगरानी में अभ्यास कर रहे हैं। नीरज अब अगले माह 16 मई को दोहा डायमंड लीग में एलीट प्रतियोगिताओं में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। नीरज ने अब तक दो ओलंपिक पदक स्वर्ण और रजत हासिल किये है। इसके अलावा वह विश्व चैम्पियनशिप में भी विजेता रहे हैं।

नितीश राणा ने संदीप को गेंदबाजी दिये जाने को सही बताया

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज नितीश राणा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले का अंतिम ओवर संदीप शर्मा को दिये जाने के फैसले को सही बताया है। राणा ने कहा कि अगर उनकी टीम ये मैच जीतती तो इसपर सवाल नहीं उठते। राणा ने कहा कि इस मैच में दिल्ली को तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की गेंदबाजी से लाभ मिला। आर्चर ने इस मैच में प्रभावी गेंदबाजी की थी पर टीम ने सुपर ओवर में गेंदबाजी की जिम्मेदारी संदीप को सौंपी। राणा ने सुपर ओवर में संदीप को गेंद सौंपने और उन्हें बल्लेबाजी के लिए नहीं उतारने के फैसले का भी बचाव किया।

इस मैच में अर्धशतक लगाने वाले राणा ने कहा, 'किसे गेंदबाजी या बल्लेबाजी को भेजना है किसी एक का फैसला नहीं होता है। कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों के साथ टीम प्रबंधन और सहायोगी स्टाफ भी इस पर बात कर अंतिम फैसला करते हैं। मुझे लगता है कि अगर परिणाम हमारे पक्ष में होता तो शायद इस बारे में कोई नहीं होती। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस स्थिति में संदीप हमारे पास सबसे उपयुक्त गेंदबाज था। इसी तरह अगर हमारे बल्लेबाज पहले ही हमें जीत दिला देते तो फिर सुपर ओवर तक मामला नहीं पहुंचता। शिमरोन हेटमायर हमारा फिनिशर है और वह हमें मैच जिताता आया है। हमने बल्लेबाजी में कम रन बनाए। वहीं अगर हम 15 रन और बनाने तो हालात अलग होते। नितीश ने कहा कि स्टार्क की गेंदबाजी से दिल्ली टीम वापसी करने में सफल रही। नितीश ने कहा, 'इस विकेट पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। नए बल्लेबाज को थोड़ी परेशानी हो रही थी क्योंकि गेंद भी रुककर आ रही थी। वहीं स्टार्क ने शानदार गेंदबाजी की।स्टार्क ने जो रिवर्स स्विंग हासिल किया उसके लिए उन्हें पूरा श्रेय जाता है।

आईपीएल के सामने पीएसएल कहीं नहीं टिकता : बिलिंग्स

■ लाहौर (ईएमएस)।

आजकल जहां भारत में (आईपीएल) की धूम है वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में सुपर लीग (पीएसएल) खेल जा रहा है। वैसे तो आईपीएल और पीएसएल में कोई मुकाबला नहीं है पर फिर भी दोनो की तुलना की जाती रही है। इसी को लेकर एक वीडियो आया है। इसमें पाकिस्तान सुपर लीग में भाग ले रहे इंग्लैंड के सैम बिलिंग्स कहते हैं कि आईपीएल के सामने पीएसल कहीं नहीं टिकता। लाहौर कलंदर्स की ओर से खेल रहे बिलिंग्स ने कहा कि उनसे आईपीएल की तुलना पीएसएल से नहीं की जा सकती। साथ ही कहा कि आईपीएल के ग्लैमर के आगे पीएसएल कहीं नहीं है। केवल सिर्फ पीएसएल ही क्यों? दुनिया की कोई भी टी-20 लीग आईपीएल की श्रेणी में नहीं आती। बिलिंग्स ने कहा कि वह चाहते हैं कि वह कुछ बेवकूफी की बात कहे, हालांकि, वह अपने रुख पर बने रहे और आईपीएल को दुनिया की किसी भी दूसरी टी-20 लीग से बेहतर बताया। बिलिंग्स ने रिपोर्टर से कहा, 'आप चाहते हैं कि मैं कुछ मूर्खतापूर्ण बात कहूं? दुनिया की सबसे बेहतरीन प्रतियोगिता के तौर पर आईपीएल को नजरअंदाज करना मुश्किल है, यह बहुत स्पष्ट है, हर दूसरी प्रतियोगिता उससे पीछे है।' वैसे ये कोई पहला मौका नहीं है जब किसी पाक रिपोर्टर ने आईपीएल पर पूछा है।

निचले क्रम पर 30 से 40 रन भी अर्धशतक जैसे : जितेश

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के विकेटकीप बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा कि निचले क्रम पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं है। जितेश के अनुसार फिनिशर का काम काफी महत्वपूर्ण है। इसमें टीम को जीत दिलाना अहम होता है। इसलिए फिनिशर के तौर पर खेली गयी 30 से 40 रनों की पारी भी टीम को जीत मिलती है तो अर्धशतक और शतक के समान ही हैहैं। जितेश आईपीएल 2025 में अक्सर छठे नंबर पर उतर रहे हैं। उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ कुछदिन पहले मिली जीत में 19 गेंद में 40 रन बनाकर अहम भूमिका निभाई। उन्होंने आरसीबी बोल्ड डायरीज के ताजा एपिसोड में कहा, 'अब हर कोई फिनिशर ही है। लेकिन छठे सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं है क्योंकि जब से फिनिशर की भूमिका निभा रहा हूं, मैने अर्धशतक नहीं लगाया है। पहले मैं अर्धशतक और शतक लगाता था। उन्होंने कहा, 'कोई भी उपलब्धि हासिल करने पर बल्ला उठाना अच्छा लगता था पर जब से फिनिशर बना हूं, अर्धशतक भी नहीं लगाया। 30 रन, 20 गेंद, 40 रन ही अहम होते हैं। उन्होंने कहा, 'अब ये स्कोर ही पचास के जैसे हैं। अगर आप 30 गेंद में 60 या 70 रन बना रहे हैं तो यह शतक जैसा है। अगर टीम जीत रही है तो इसी से मुझे खशी होती है।

जितेश ने कहा कि विकेटकीपर होने से उन्हें पिच और विरोधी बल्लेबाज को बेहतर तरीके से समझने में सहायत मिलती है।

नकवी के आईसीसी बैठक में नहीं जाने को लेकर अटकलें तेज

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख मोहसिन नकवी आईसीसी से नाराज बताये जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी कारण नकवी आईसीसी की वार्षिक तिमाही बैठक में नहीं गये। वह निजी काम का हवाला लेकर इससे दूर रहे। उनकी नाराजगी का कारण चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल के बाद ईनामी राशि के समारोह में न बुलाया जाना माना जा रह है। इसी को उनकी नाराजगी का कारण माना गया है। वहीं पीसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि, मोहसिन नकवी स्वेदश में काम के कारण नहीं जा सके और बोर्ड के सीईओ सुमेर अहमद आईसीसी की बैठकों में शामिल हुए। बैठकों के खत्म होने के बाद से पीसीबी ने इस बात पर मौन साधा हुआ है। इससे माना जा रहा है कि उसने दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के पुरस्कार वितरण समारोह के लिए मंच पर पीसीबी के प्रतिनिधि को नहीं रखने के लिए आईसीसी के सामने सांकेतिक विरोध जताया है। इससे पहले पीसीबी ने 19 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद आईसीसी को कई पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा था कि टूर्नामेंट के मेजबान होने के बाद भी उसका कोई भी प्रतिनिधि मंच पर क्यों नहीं था।

श्रेयस ने प्रदर्शन से केकेआर प्रबंधन को दिया करारा जवाब

■ मुम्बई (ईएमएस)।

आईपीएल के इस सत्र में अब तक कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में टीम मालिक शाहरुख खान व सीईओ वेंकी मैसूर और प्रबंधन कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर को रिटेन नहीं करने के लिए पछता रहे होंगे। श्रेयस की कप्तानी में पिछली बार केकेआर ने खिताब जीता था। वहीं श्रेयस ने अपनी पुरानी फ्रैंचाइजी केकेआर को इस सत्र में हराकर अपनी उपेक्षा के लिए करारा जवाब दिया है। इस मैच के बाद श्रेयस केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर से भी मिले। तब अय्यर के साथ सुनील नरेन भी मौजूद थे। केकेआर से अलग होने के बाद श्रेयस अय्यर का अपनी पुरानी टीम के खिलाफ ये पहला मैच था। इसमें अय्यर ने अपनी शानदार कप्तानी से अपीन टीम को सिर्फ 111 रन बनाने के बाद भी जीत दिला दी। श्रेयस ने गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करने के साथ ही आक्रामक फील्ड लगाकर केकेआर पर दबाव बना दिया था।

श्रेयस को 2022 की मेगा ऑक्शन में केकेआर ने कप्तान बनाया था। साल 2022 में टीम सातवें स्थान पर रही थी। 2023 में चोट के चलते वह पूरे सीजन से बाहर हो गए थे। 2024 में जब उनकी वापसी हुई तो उन्हें फ्रैंचाइजी ने दोबारा कप्तानी सौंपी और उन्होंने अपनी टीम को एक दशक से भी ज्यादा समय बाद आईपीएल ट्रॉफी जिताई।

इतनी बड़ी सफलता के बाद भी केकेआर ने ने पिछले अक्टूबर में मेगा नीलामी से पहले उन्हें रिटेन नहीं किया जिससे सभी हैरान हो गये थे। वेंकी ने बाद में खुलासा किया था कि अय्यर उनकी रिटेंशन लिस्ट के पहली पसंद थे पर आपसी सहमति नहीं बनने से ही दोनों अलग हो गए थे। इसके बाद श्रेयस को नीलामी में पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था।

पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने में नागरिक निभाए अपना कर्तव्य :-कमिश्नर

शहडोल, ईएमएस। ग्रीष्म कल को दृष्टिगत रखते हुए उमरिया युवा टीम द्वारा पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। गर्मी में मानव हो या फिर पशु-पक्षी सभी को ठंडे जल की तलाश रहती है। लोगों के लिए तो जगह-जगह प्याऊ व नल के साथ ही पानी की उचित व्यवस्था मिल ही जाती है, लेकिन पक्षियों व पशुओं को पानी के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है।

राजनीतिक प्रशासनिक

महापौर ने जनसुवाई में खाद्य व अखाद्य लायसेंसों का वितरण किया

देवास, ईएमएस। महापौर जनसुनवाई के अन्तर्गत बुधवार 16 अप्रेल को महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल को जनसुनवाई के दौरान वार्डो मे सफाई संबंधि आवेदन प्राप्त हुये। आवेदन पत्रो का निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये गये। महापौर गीता अग्रवाल के द्वारा विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया के साथ 15 खाद्य व अखाद्य लायसेंसो का वितरण भी व्यवसाठयों को किया गया।

सोनिया-राहुल के खिलाफ भाजयुमो का प्रदर्शन

युवा मोर्चा ने कांग्रेस नेताओं का पुतला फूंका

भोपाल, ईएमएस।

भोपाल में कांग्रेस कार्यालय के पास भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कार्यकर्ताओं ने नेशनल हेराल्ड केस को लेकर सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और सोनिया गांधी का पुतला जलाया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार ने कहा, कांग्रेस इस देश में भ्रम और झूठ फैलाने का प्रयास कर रही है। उनके खिलाफ मामला दर्ज है और जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं, लेकिन कांग्रेस नेता सड़क पर उतरकर जांच एजेंसियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जांच एजेंसियों पर दबाव बनाकर कांग्रेस नेता उस भ्रष्टाचार की जांच से बचने की कोशिश कर रहे हैं, जो उन्होंने किया है। यह उनका झूठा प्रयास है। इसी के खिलाफ युवा मोर्चा ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन कर राहुल गांधी और सोनिया गांधी का पुतला दहन किया है। देश के सामने सच्चाई आनी चाहिए।

कांग्रेस देश को गुमराह कर रही : वैभव पवार ने आगे कहा, नेशनल हेराल्ड में 2000 करोड़ रुपए से अधिक का घोटाला हुआ है। उससे बचने के लिए कांग्रेस नेता जनता को गुमराह कर रहे हैं। आम जनता को यह समझना चाहिए कि नेशनल हेराल्ड में किस तरह की गड़बड़ी हुई है। बेचने वाले भी वही हैं और खरीदने वाले भी वही। नेशनल हेराल्ड में बड़ी हेराफेरी हुई है। एजीएल और यंग इंडिया दोनों कंपनियों में एक ही व्यक्ति अध्यक्ष है। यह देश का पहला ऐसा मामला है जिसमें बेचने और खरीदने वाले एक ही पक्ष से हैं। इसकी पूरी तरह से जांच होनी चाहिए। अगर वे लोग ईमानदार हैं, तो उन्हें सड़क पर उतरने की बजाय कोर्ट में जाकर अपने जवाब पेश करने चाहिए। पवार ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की चार्जशीट में सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम आना पूरी तरह से तकनीकी और कानूनी मामला है, इसलिए कांग्रेस को ईडी और आयकर जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर प्रदर्शन के माध्यम से दबाव डालने का प्रयास करने की बजाय उसे तकनीकी और कानूनी आधार पर अपना पक्ष अदालत में रखना चाहिए।

90 करोड़ के शेयर यंग इंडिया कंपनी को ट्रांसफर

पवार ने कहा कि नेशनल हेराल्ड के 90 करोड़ के शेयर यंग इंडिया कंपनी को ट्रांसफर कर दिए गए, जिसके शेयर होल्डर्स सोनिया गांधी और राहुल गांधी है। इस तरह यह पूरी संपत्ति एक परिवार के हाथ में आ गई। यह बताया गया था कि यंग इंडिया एक चैरिटेबल संस्था है, लेकिन यह क्या चैरिटी करती है, इसका किसी को कुछ नहीं पता। इस तरह से जो अखबार आजादी के आंदोलन में लडऩे वाले लोगों की आवाज को ताकत देने के लिए स्थापित किया गया था, उसे निजी व्यापार में बदल दिया गया। पुतला दहन में युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार, प्रदेश उपाध्यक्ष रणजीत चौहान, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रवीन्द्र यति, युवा मोर्चा अध्यक्ष अजय पाटीदार, जगदीश यादव, सतीश विश्वकर्मा, राजेन्द्र गुप्ता, दिव्या ऋषि तिवारी, अजय साहू, अवनी शर्मा, भारत यादव, अतुल बेंघट सहित बड़ी संख्या में युवा मोर्चा कार्यकर्ता शालिम हुए।

केमिकल इंडस्ट्रियल डिजास्टर से सुरक्षा की तैयारी

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ ने मिलकर की मॉक ड्रिल

भोपाल, ईएमएस। केमिकल इंडस्ट्रियल डिजास्टर के समय कैसे बचाव किया जाए इसे लेकर भोपाल में एक मॉक ड्रिल की गई। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ ने मिलकर जवाहर स्कूल बीएच ईएल में यह ड्रिल की है।

मॉक ड्रिल के समय यह अभ्यास किया गया कि, रासायनिक या औद्योगिक आपदा के समय कैसे बचाव अभियान किया जाए। बढ़ते इन्डस्ट्रिलाइजेशन और सुरक्षा की दृष्टि से यह मॉक ड्रिल बेहद अहम है। भोपाल में जवाहर स्कूल बीएचईएल में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में रासायनिक और औद्योगिक आपदा प्रबंधन के मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने के लिए यह ड्रिल बेहद महत्वपूर्ण थी। आम नागरिकों से अभ्यास के दौरान शांति बनाए रखने और अफवाहों से सावधान रहने की अपील की।

जागरुकता का अभाव...टीबी उन्मूलन अभियान अभियान फेल

काल बन मप्र की तरफ बढ़ रहा टीबी!

भोपाल, ईएमएस।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 मार्च 2018 को टीबी हारेगा देश जीतेगा का नारा दिया और देश से टीबी जैसी गंभीर बीमारी के खत्मे का संकल्प लिया था। प्रधानमंत्री ने इसके लिए 2025 तक की डेडलाइन रखी थी। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए देशभर में टीबी (ट्यूबरक्लोसिस) उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 6 अलग-अलग श्रेणियों में चिन्हित वयस्क व्यक्ति को टीबी की वैक्सीन लगाई जा रही है। मध्य प्रदेश का सीहोर जिला इस अभियान से कोसों दूर नजर आ रहा है। इतने दिनों में हेल्थ डिपार्टमेंट ने जिले में सिर्फ 10 फीसदी ही वैक्सीनेशन का लक्ष्य प्राप्त किया है। ऐसे में सोचने वाली बात ये है कि इस तरह कैसे टीबी मुक्त भारत के संकल्प को पूरा किया जा सकता है।

टीबी उन्मूलन अभियान के प्रदेश में फ्लॉप होने के कई कारण बताए जा रहे हैं। एक तो अभियान का उतना जोर-शोर से प्रचार नहीं किया गया, जितना अन्य कई सारी स्कीमों या अभियानों का किया जाता है। प्रशासनिक स्तर पर भी इस अभियान को समर्थन नहीं मिला। अधिकारियों और कर्मचारियों ने खुद टीके नहीं लगवाए जो दूसरों के सामने उदाहरण पेश कर सकते थे। इसका एक बड़ा कारण और माना जा रहा है कि कोरोना वैक्सीन के साइडइफेक्ट की प्रचारित खबरों ने लोगों के मन में इस वैक्सीन को लेकर भी आशंका पैदा कर दी। वहीं, कई लोगों का कहना है कि आंगनबाड़ी या फिर हेल्थ वर्कर ने टीके के संबंध में किसी को कोई जानकारी ही नहीं दी।

स्वास्थ्य विभाग के दावे और हकीकत में फर्क : टीकाकरण अभियान के इतर जिले में 100 दिन में टीबी मुक्त सीहोर की कार्ययोजना तैयार की गई थी। जनवरी 2025 से यह अभियान शुरू किया गया। स्वास्थ्य विभाग जिलेभर में करीब 2 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग करने, टीबी जांच, एक्स रे करने का दावा करता है।

प्रदेश के 10 जिलों में बढ़े टीबी मरीज

पिछले 1 साल में प्रदेश के 10 जिलों में टीबी के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इसमें राजधानी भोपाल भी शामिल है। जहां 2023 के मुकाबले 2024 में करीब 2 हजार टीबी के मरीज बढ़े हैं। इसके अलावा इंदौर, आगर मालवा, बड़वानी, भिंड, बुरहानपुर, दमोह, दतिया, देवास और धार जिले में 2023 के मुकाबले 2024 में टीबी के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। वहीं, पूरे प्रदेश की बात करें तो मरीजों की संख्या में कमी आई है। साल 2024 में एमपी में टीबी मरीजों की कुल संख्या 1 लाख 80 हजार 290 दर्ज की गई, जबकि 2023 में ये 1 लाख 82 हजार 290 थी। वहीं, 2022 में मध्य प्रदेश में टीबी के मरीजों की संख्या 1 लाख 85 हजार 904 दर्ज की गई थी। टीबी से होने वाली मौतों के मामले में मध्य प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है।

मतदाता सूची की गड़बडियां दूर करने कांग्रेस चलाएगी अभियान

पंचायत और वार्ड स्तर पर बनेंगी समितियां, जून-जुलाई में शुरू होगा घर-घर सर्वे का काम

भोपाल, ईएमएस।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मतदाता सूची पर सवाल उठाने के बाद मध्य प्रदेश में मतदाता सूची को लेकर पार्टी सतर्क हो गई है। प्रदेश कांग्रेस ने तय किया है कि मतदाता सूची का फर्जीवाड़ा रोकने के लिए अब विधानसभावार रजिस्टर तैयार किया जाएगा।

यह हर तीन माह में अपडेट होगा। इस अवधि में यदि किसी मतदाता का निधन होता है या फिर वह कहीं और रहने के लिए चला जाता है तो उसकी जानकारी निर्वाचन अधिकारियों को देकर नाम मतदाता सूची से हटवाया जाएगा। इसी तरह नाम जुड़वाने के भी प्रयास होंगे। यह काम जून-जुलाई से प्रारंभ कर दिया जाएगा। प्रदेश स्तर पर प्रत्येक त्रैमास में इसकी समीक्षा भी होगी।

सालभर होगा काम : विधानसभा और लोकसभा चुनाव के समय मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी को लेकर प्रदेश कांग्रेस और प्रत्याशियों की ओर से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में शिकायतें भी की गईं। कुछ शिकायतें आधारहीन निकलीं तो कुछ में कार्रवाई भी हुई।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के समय भी कांग्रेस ने मतदाता सूची में गड़बड़ी का विषय उठाया था। अब पार्टी ने तय किया है कि चुनाव के समय शिकायत करने से कुछ प्राप्त नहीं होता है इसलिए वर्षभर सूची के पुनरीक्षण का काम किया जाएगा। पार्टी अपने स्तर पर सर्वे करेगी और अपात्र के नाम सूची में पाए जाने पर उसे हटवाने के प्रयास होंगे। विधानसभा क्षेत्र स्तर पर मतदाता सूची रजिस्टर तैयार होगा। इसमें मतदाताओं का पूरा ब्योरा रहेगा। यदि गांव या मोहल्ले में किसी मतदाता का निधन हो जाता है या फिर कहीं और रहने चला जाता है तो उसका नाम सूची से हटवाने के लिए आवेदन किया जाएगा। इसी तरह पात्र मतदाता का नाम जुड़वाने की पहल होगी।

सरकारी स्कूलों की अब ऑनलाइन मॉनीटरिंग, नया पोर्टल बनाया

पौने तीन लाख कर्मचारियों के लिए ट्रांसफर पॉलीसी भी ऑनलाइन जारी, पालकों को भी अपने बच्चों के संबंध में मिलेगी जानकारी

भोपाल,ईएमएस।

नए शैक्षणिक सत्र के लिए शासन के शिक्षा विभाग ने आधुनिक एजुकेशन पोर्टल 3.0 तैयार किया है। इसमें विभाग से जुड़ी व्यापक जानकारियां शामिल की गई हैं और पौने तीन लाख कर्मचारियों का डाटा बेस तैयार किया गया है। मानव संस्थापन से संबंधित जानकारी को कर्मचारी और विकासखंड स्तर पर देखा जा सकेगा और बच्चों के अभिभावक भी परीक्षा, होमवर्क से लेकर अन्य जानकारी भी पोर्टल के माध्यम से अपने मोबाइल या लैपटॉप पर ही हासिल कर सकेंगे। हालांकि इन सरकारी स्कूलों में गरीब वर्ग के बच्चे ही पढ़ते हैं, जिनके पास ऑनलाइन से जुड़ी सुविधाएं नहीं रहतीं। फिर भी शिक्षा विभाग का दावा है कि इससे पढ़ाई का स्तर सुधरेगा और सभी स्कूलों पर निगरानी रखना भी आसान रहेगा। 1 अप्रैल से नया शिक्षा सत्र शुरू हुआ है। इसमें निजी स्कूलों में तो अपनी व्यवस्थाएं रहती हैं, मगर सरकारी स्कूलों का जिम्मा स्कूली शिक्षा विभाग के पास रहता है, जिसके चलते नया पोर्टल तैयार किया गया है, जिसमें विभाग के करीब 2 लाख 75 हजार कर्मचारियों की जानकारी पारदर्शी तरीके से प्रदर्शित कर दी गई है, जिसके चलते जो स्थानांतरण नीति 2022 तैयार की गई उसी के मुताबिक ऑनलाइन ट्रांसफर मॉड्यूल तैयार किया गया है।

उच्च पद प्रभार और अतिथि शिक्षक प्रक्रिया को भी इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जोड़ा गया है और सभी कर्मचारियों को वेतन पर्ची उनके मोबाइल पर प्राप्त हो सके इसकी व्यवस्था की गई है। विभाग के कर्मचारी अपनी छोटी-मोटी समस्याओं के लिए जिला या मुख्यालय स्तर पर चक्कर न लगाएं और उनकी शिकायतों का निराकरण ऑनलाइन ही किया जा सके एसी व्यवस्था भी की गई है।

ग्राउंड वॉटर लेवल सुधारने मोहन सरकार का स्पेशल प्लान

हाइवे से होगा जमीन में पानी रिचार्ज

भोपाल, ईएमएस।

गर्मी बढऩे के साथ ही प्रदेशभर में जल संकट बढऩे लगा है। प्रदेश के कई ऐसे जिले हैं, जहां वॉटर लेवल का शत प्रतिशत दोहन हो रहा है। ऐसे में आने वाले समय में मप्र के शहरों की स्थित बैंगलूर या चेन्नई जैसी हो सकती है। हालांकि, सरकार ने अब सडक़ों के सहारे प्रदेश का भूजल स्तर सुधारने की कवायद शुरु कर दी है। यदि यह प्रयोग सफल रहता है, तो मोहन सरकार इस प्लान को शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बनने वाली सडक़ों पर भी करेगी।

इस योजना में सबसे पहले उन शहरों को शामिल किया जाएगा, जिनका वॉटर लेवल तेजी से घटता जा रहा है। ऐसे शहरों में जहां भी स्टेट हाईवे या अन्य सडक़ बनेंगी, वहां रिचार्ज बोर योजना के तहत भूजल स्तर को सुधारने की पहल की जाएगी। सडक़ों के किनारे जो बोर किए जाएंगे वह 6 इंच व्यास के होंगे। उनकी गहराई उस स्थान के भूजल स्तर पर निर्भर करेगी। इसके तहत सडक़ पर बहने वाले वर्षा के जल को संग्रहित कर बोर के माध्यम से जमीन के अंदर पहुंचा जाएगा। इसमें ऐसे सिस्टम का इस्तेमाल भी किया जाएगा जिससे पानी के साथ बहने वाली अन्य सामग्री बोर के अंदर जाने से बच जाए।

हर एक किलोमीटर पर होंगे रिचार्ज बोर : प्रदेश में बनने वाली नई सडक़ों के किनारे दोनों और हर एक किलोमीटर पर रिचार्ज पर बनाए जाएंगे। इससे पहले प्रदेश के ऐसे शहरों को चिन्हित किया जाएगा जो सूखाग्रस्त श्रेणी में आते हैं। सडक़ों के आसपास रिचार्ज बोर बनाने से पहले आसपास के रहवासियों से भी सुझाव लिए जाएंगे। इसके आधार पर ही नई सडक़ों का निर्माण होगा।

पहले चरण में 14 स्टेट हाईवे में शुरू होगा काम

प्रदेश के शहरों में भूजल स्तर को सुधारने के लिए पहले पहले चरण में 14 स्टेट हाईवे के किनारे रिचार्ज बार किए जाएंगे। यहां वर्षा के पानी से भूजल रिचार्ज के लिए सारे सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। बता दें कि इन सभी 14 स्टेट हाईवे सडक़ विकास निगम के द्वारा बनाए जा रहे हैं।

इनको एनडीबी से ऋण मिला हुआ है। बता दें कि इस योजना के तहत सरकार सभी स्टेट हाईवे के प्रत्येक 1 किलोमीटर पर सडक़ के दोनों और रिचार्ज बोर स्थापित करेगी। प्रत्येक रिचार्ज बोर की अनुमानित कीमत 75000 रुपए होगी। इन शहरों के चयन में यह देखा जाएगा कि कहां पानी की उपलब्धता कम है। वहां का पानी कितना गुणवत्ता युक्त है और वहां पानी की उपयोगिता कितनी है।

नल जल योजना कागजों में चालू, जमीन पर फेल, सिंघार बोले

करोड़ों खर्च के बाद भी बूंद-बूंद को तरस रही जनता

भोपाल, ईएमएस।

गर्मी का सीजन शुरू होते ही जल का संकट शुरू हो जाता है। प्रदेश की कई क्षेत्रों से पानी की कमी की खबरें सामने आ रही हैं। ऐसे ही एक मामले पर मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार की नल जल योजना पर सवाल खड़े किए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने अपने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि मप्र के गांवों में जल संकट ने विकराल रूप ले लिया है। गोहद-मेहगांव क्षेत्र के 75 गांव नल-जल योजना के बावजूद आज भी पीने के पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। महिलाएं, बच्चे कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर हैं। कई गांवों में खारा पानी ही एकमात्र विकल्प बचा है। हालात इतने बदतर हैं कि लोगों को गांव छोडऩे की नौबत आ गई है।सरकारी रिकॉर्ड में योजनाएं चालू दिख रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर है।

नेता प्रतिपक्ष ने लिखा कि पीएचई विभाग की लापरवाही और भ्रष्टाचार के चलते करोड़ों की योजनाएं धूल चाट रही हैं।ये केवल जल संकट नहीं, ये सरकार की नाकामी और भ्रष्टाचार की गवाही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा किअब सवाल यह है कि सरकार बताए, नल जल योजना का पैसा खय गया? जनता को उसका हक साफ पानी कब मिलगा?

कारम बांध या घोटालों का बांध

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि आदिवासी बाहुल्य धार जिले में भाजपा शासन का काला सच! कारम मुख्य बांध जिसको बनाने में करोड़ों की लागत लगी 2022 में दीवार फूटी और आज 2025 में भी बांध का निर्माण अधूरा हैं। घटिया निर्माण के चलते बांध से पानी का लीकेज हुआ, लाखों जिंदगियां खतरे में आ गई थी लेकिन स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है।

मप्र कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर की मांग

योग्यता एवं वर्तमान इंडेक्स के आधार पर किया जाए श्रमिकों का वेतन निर्धारण

भोपाल, ईएमएस।

मप्र कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों का वेतन निर्धारण केंद्र के समान योग्यता एवं वर्तमान इंडेक्स के आधार पर किया जाए।

मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि केंद्र सरकार दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों का वेतन निर्धारण योग्यता एवं वर्तमान महंगाई दर के अनुसार करती है, लेकिन मप्र सरकार 20 साल पुराने इंडेक्स के आधार पर घोषित करती है। वर्तमान महंगाई एवं वर्तमान इंडेक्स के आधार पर नहीं करती है। इस कारण मप्र के दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों का वेतन कम घोषित किया गया है। केंद्र सरकार ने कुशल श्रमिक का वेतन 18066 रूपए, अर्ध कुशल श्रमिक का वेतन 19929 रूपए, कुशल श्रमिक का वेतन 21917 रुपए, गैर मैट्रिक श्रमिक का वेतन 19929 रूपए, मैट्रिक पास श्रमिक का वेतन 21917 रुपए ,स्नातक उत्तीर्ण श्रमिक का वेतन 23817 रुपए निर्धारित किया है। वही मप्र सरकार के श्रम विभाग में कुशल श्रमिक का वेतन 12125 रूपए, अर्ध कुशल श्रमिक का वेतन 13121 रूपए, कुशल श्रमिक का वेतन 14844 रूपए, उच्च कुशल श्रमिक का वेतन 16469 रुपए घोषित किया है जो कि केंद्र सरकार से बहुत कम है।

पराली से बिजली बनाने में सक्षम नहीं है मप्र के ताप विद्युत गृह

बायोमास उपयोग की समीक्षा में सामने आई बड़ी खामी

भोपाल, ईएमएस।

प्रदेश में पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिये उपलब्ध बायोमास के ताप विद्युत गृहों में उपयोग के संबंध में बुधवार को प्रदेश के सभी 15 ताप विद्युत गृहों एवं 17 कैप्टिव ताप विद्युत गृहों की समीक्षा बैठक हुई। जिसमें यह तथ्य सामने आया कि प्रदेश के ताप विद्युत गृह पराली समेत अन्य कचरा से बिजली बनाने में पूरी तरह सक्षम नहीं है। क्योंकि प्रदेश के सभी ताप विद्युत गृह, निर्धारित नीति के अनुरूप नहीं हैं।

सदस्य सचिव मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कोठारी ने बताया कि केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024-25 में कुल कोयला खपत का 5 प्रतिशत तथा वर्ष 2025-26 में कुल कोयला खपत का 7 प्रतिशत बायोमास कोयले के साथ बॉयलर में जलाने संबंधी दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। इसके अनुसार प्रदेश के सभी ताप विद्युत गृह निर्धारित नीति के अनुरूप नहीं हैं। ताप विद्युत गृहों के प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा बायोमास के उपयोग के लिये समुचित कार्रवाई की जा रही है। इसमें बायोमास के फीडिंग सिस्टम, लोडिंग-अनलोडिंग, भंडारण संबंधी व्यवस्थाओं का विकास बायोमास प्रदाय करने के लिये उपलब्ध वेण्डर्स की इन्वेन्ट्री एवं टेण्डर संबंधी कार्रवाई की जा रही है।

दूसरे राज्यों से बुलाएंगे कचरा

ताप विद्युत गृहों जैसे जयप्रकाश पॉवर वेन्चरर्स सिंगरौली एवं बीना, हिंडाल्को सिंगरौली, एनटीपीसी लिमिटेड के विंध्याचल, गाडरवारा और खरगौन में बायोमास का उपयोग प्रारंभ कर दिया गया है। इसे लक्ष्य अनुसार किया जायेगा। प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि प्रदेश में बायोमास निर्धारित मात्रा में उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, इसीलिये प्रदेश के बाहर जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश बायोमास को वेण्डर्स के माध्यम से प्राप्त कर उसका उपयोग कर रहे हैं। शासन द्वारा भी प्रदेश में बायोमास आधारित पैलेट/ब्रिकेट मैन्युफैक्चरिंग उद्योगों की स्थापना का प्रयास किये जाने चाहिये।

प्रदेश में खड़े होंगे बायोमास आधार ईंधन

प्रमुख सचिव कोठारी ने कहा कि वर्ष 2025-26 में कुल कोयला खपत का 7 प्रतिशत बायोमास के उपयोग का लक्ष्य प्राप्त करने का हर संभव प्रयास करें। प्रमुख सचिव कोठारी ने मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रदेश में अधिक से अधिक बायोमास आधारित पैलेट/ब्रिकेट मैन्युफैक्चरिंग उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिये सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग से समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संयंत्रों की स्थापना के लिये शासन द्वारा घोषित अनुदान की जानकारी उद्यमियों को उपलब्ध करायी जाये, जिससे इस प्रकार के अधिक से अधिक संयंत्र स्थापित हो सकें। राज्य सरकार द्वारा बायोमास मैन्युफैक्चरिंग उद्योगों की स्थापना के लिये पूर्ण सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि बायोमास उद्योग के य एवं उपयोग के लिये निविदा संबंधी कार्रवाई की जानकारी पर्यावरण विभाग को उपलब्ध कराई जाये, जिससे पर्यावरण विभाग द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार की कार्रवाई की जा सके।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सनत कुमार जैन के लिए सुपर प्रिन्टर्स, आर-11, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित कर हॉल नं. 07, चित्तौड़ कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : बलदेवराज गुप्त, एसोसियेट एडीटर : विनीत खरे, स्थानीय संपादक : सौरभ जैन*
फोन-0755-2572334, दिल्ली कार्यालय: ''ईएमएस हाउस'' यू-39-ए, शकरपुर, दिल्ली-110092. फोन नं.011-22022531 फैक्स नं. 011-22022535. ई-मेल: **expressnews.advt@gmail.com** (रजि न. **RNI** 62831/95, डाक पंजीयन सं. म.प्र./भोपाल/402/2024-26) समाचार चयन के लिए *पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।